TV उत्तरशक्ति NEWS
मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 8 अंक 45
रविवार, 24 अगस्त 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

कुछ भी करो, हंगामा करो, बस हेडलाइन बटोरना है: किरेन रिजिजू

नई दिल्ली, 23 अगस्त। संसद के मानसून सत्र में विपक्ष द्वारा अपनी मांगों को लेकर लगातार व्यवधान देखने को मिलने के बाद, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को कहा कि उन्होंने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों से लोकसभा और राज्यसभा दोनों में चर्चा की अनुमति देने का लगातार आग्रह किया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि मेरा गला भी बैठ गया देखो। विपक्ष को चिल्ला-चिल्ला के मैं अनुरोध करता हूँ कि बहस होने दीजिए। एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में, रिजिजू ने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में, संसद विपक्ष की होती है क्योंकि वे सरकार से जवाब मांग सकते हैं।

किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार जवाब देने के लिए उत्तरदायी है। विपक्ष को सवाल पूछने होंगे। अगर सवाल पूछने वाले ही भाग जाएं तो सरकार क्या करेगी? हम उनसे हंगामा न करने के लिए कह रहे हैं। मेरा गला खराब हो गया क्योंकि मुझे चिल्लाना पड़ा और विपक्ष से हंगामा न करने के लिए कहना पड़ा। गंभीर आपराधिक आरोपों में फंसे पीएम, सीएम, मंत्रियों को हटाने के लिए विपक्ष द्वारा बिल फाड़ने पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन लोगों को ऊपर से ऑर्डर दिया है, उनके पार्टी के नेताओं ने कुछ भी करो, हंगामा करो, और हेडलाइन बटोरना है।

भाजपा नेता ने कहा कि मैंने उन्हें कई बार समझाया कि इस तरह कागज फेंकना ठीक नहीं है। उन्होंने सारी हदें पार कर दीं। नीचे आकर गृह मंत्री का माइक छीन लिया। हमने उनसे कहा कि जितना चिल्लाना है चिल्लाएँ, लेकिन किसी चीज को छूने से बचें। अगर हाथापाई हुई, तो देश की बदनामी होगी... इन लोगों को उनकी पार्टी के नेताओं ने आदेश दिया है कि जाओ और कुछ भी करो, हंगामा करो, और सुर्खियाँ बटोरो।

पटना में वैन और ट्रक की भिड़ंत में आठ लोगों की मौत, चार घायल

पटना। पटना के बाहरी इलाके में शनिवार को एक मिनी वैन और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में आठ लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना तड़के पटना-नालंदा बॉर्डर के पास शाहजहांपुर में हुई। उसने बताया कि मृतकों में सात महिलाएं शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) विक्रम सिंह ने बताया कि घायलों को नजदीकी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा, ट्रक चालक मौके से फरार हो गया है।

राजनाथ और अमित शाह ने मिले एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन

नई दिल्ली, 23 अगस्त। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा कि आज थिरु सीपी राधाकृष्णन जी से मुलाकात की। एनडीए की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने पर उन्हें शुभकामनाएँ दीं। मुझे विश्वास है कि थिरु राधाकृष्णन जी एक असाधारण उपराष्ट्रपति बनेंगे और भारत के लोगों की एक सशक्त आवाज बने रहेंगे।

वहीं, अमित शाह ने लिखा कि उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन जी से मुलाकात की। वे एक अनुभवी नेता हैं जिनके पास व्यापक संगठनात्मक और प्रशासनिक अनुभव है। मुझे विश्वास है कि वे अपने व्यापक अनुभव के साथ भारत के राष्ट्रीय विमर्श में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। एक दिन पहले, शाह ने कहा था कि महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को एनडीए द्वारा उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में नामित करना तमिलनाडु के लिए गर्व की बात है और यह तमिल संस्कृति, भाषा और नेतृत्व के सम्मान के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

तिरुनेलवेली में बूथ समिति सदस्यों के सम्मेलन में बोलते हुए, शाह ने तमिल में सभा को संबोधित न कर पाने के लिए खेद व्यक्त किया और राधाकृष्णन को समर्थन देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का धन्यवाद किया।

कांग्रेस विधायक केसी वीरेंद्र गिरफ्तार, ईडी के छापे में करोड़ों नकद व आभूषण मिले

कर्नाटक, 23 अगस्त। कर्नाटक कांग्रेस विधायक केसी वीरेंद्र को शनिवार को एक अवैध ऑनलाइन और ऑफलाइन सट्टेबाजी रैकेट के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भारत में 31 जगहों पर दो दिनों तक चली तलाशी के बाद यह गिरफ्तारी की। जाँच में एक बड़े सट्टेबाजी नेटवर्क का पता चला, जिसमें दुबई से संचालन और कई कैसीनो से जुड़े लिंक शामिल थे। 22 और 23 अगस्त को की गई छापेमारी बेंगलुरु, हुबली, मुंबई, जोधपुर, गोवा और गंगटोक जैसे शहरों में की गई। इसके अलावा, पाँच प्रसिद्ध कैसीनो, बिग डैडी कैसीनो, ओशन रिवर्स कैसीनो, पपीज कैसीनो प्राइड, ओशन 7 कैसीनो और पपीज कैसीनो गोल्ड पर भी छापेमारी की गई। ईडी के अनुसार, वीरेंद्र किंग567 और राजा567 जैसे नामों से कई अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म चला रहा था। उसका भाई, केसी. थिप्पेस्वामी, दुबई स्थित तीन कंपनियों, डायमंड सॉफ्टेक, टीआरएस टेक्नोलॉजीज और प्राइम9 टेक्नोलॉजीज के माध्यम से इन गतिविधियों का बैकएंड प्रबंधन कर रहा था। ये कंपनियाँ सट्टेबाजी के संचालन के लिए गेमिंग से संबंधित कॉल सेंटर सेवाएँ प्रदान करती पाई गईं।

अधिकारियों का मानना है कि दुबई स्थित ये गतिविधियाँ अवैध धन के शोधन और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जमावड़े का केंद्र थीं। व्यापक तलाशी अभियान के दौरान, अधिकारियों ने लगभग ?12 करोड़ नकद, जिसमें ?1 करोड़ की विदेशी मुद्रा भी शामिल है, जब्त किया। इसके अलावा, लगभग ?6 करोड़ मूल्य के सोने के आभूषण, 10 किलो चाँदी के बर्तन और चार महंगे वाहन जब्त किए गए। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत 17 बैंक खाते और दो बैंक लॉकर जब्त कर लिए गए। वीरेंद्र के भाई के.सी. नागराज और नागराज के बेटे पृथ्वी एन. राज के आवास से संपत्ति और वित्तीय लेन-देन से जुड़े कई दस्तावेज बरामद किए गए। विधायक को 23 अगस्त, 2025 को गंगटोक से गिरफ्तार किया गया था।

तीज और गणेशोत्सव की तैयारी, बाजारों में बढ़ी रौनक

सुरेश गांधी

वाराणसी। जहां तीज पर्व महिलाओं की आस्था और श्रृंगार का उत्सव है, वहीं गणेशोत्सव उल्लास और सामूहिक भक्ति का पर्व। दोनों त्योहारों के मेल से काशी समेत पूरा पूर्वांचल भक्तिमय रंग में रंग गया है। काशी समेत पूरे पूर्वांचल में तीज और गणेशोत्सव की तैयारी चरम पर है। श्रद्धालुओं की उमंग और आस्था ने बाजारों को संजीवनी दे दी है। जगह-जगह महिलाएं तीज की खरीदारी में जुटी हैं, तो दूसरी ओर गणपति बप्पा के स्वागत की तैयारी भी पूरे जोश के साथ चल रही है।

तीज पर्व के लिए बाजारों में मेहंदी, श्रृंगार सामग्री, चूड़ियाँ, साड़ियाँ और आभूषण की दुकानों पर भीड़ उमड़ रही है। खासकर चौक, विशेश्वरगंज, मैदागिन और लहुराबीर के बाजार देर रात तक रौशन रहते हैं।

पांडेयपुर बाजार में खरीदारी करने आई गृहणी सीमा देवी ने कहा, तीज हमारे सुहाग का पर्व है।

हाथों में मेहंदी और चूड़ी पहनने की परंपरा हमारे लिए बहुत मायने रखती है। इस बार तो बाजार देखकर मन ही खुश हो गया। दुकानदार अजय कुमार का कहना है, इस बार पिछले साल की तुलना में बिक्री लगभग 30 फीसदी ज्यादा है। खासकर चूड़ी और मेहंदी की मांग सबसे अधिक है।

शहर के विभिन्न मोहल्लों और घाटों पर गणेश चतुर्थी की तैयारियों का अलग ही नजारा है। मूर्तिकार गणपति की प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। भैसासुर घाट पर मूर्तिकार राजेश प्रजापति ने बताया, हम लोग दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। इस बार छोटी और पर्यावरण मित्र मूर्तियों की मांग काफी बढ़ी है। लोग चाहते हैं कि विसर्जन के बाद भी गंगा प्रदूषित न हो। करीब 20 वर्षों से मूर्तियाँ बनाने वाले कारीगर श्यामलाल ने कहा, गणपति का रूप गढ़ना आस्था से जुड़ा काम है। जब लोग बप्पा को घर ले जाते हैं तो हमें लगता है हमारी मेहनत सफल हुई।

वाराणसी के अलावा आसपास के जिलों जौनपुर, गाजीपुर और मिजार्पुर, भदोही में भी पंडाल सजने शुरू हो गए हैं। सोसायटियों और कॉलोनियों में गणेशोत्सव समितियों ने सजावट का कार्य तेज कर दिया है। बच्चों और युवाओं में उत्साह देखते ही बनता है।

जनता को मिले त्वरित न्याय, तभी आएगा सुशासन: योगी

लखनऊ, 23 अगस्त। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा संघ के 42वें सम्मेलन में भाग लिया और इस बात पर जोर दिया कि अगर देश को सुशासन का लक्ष्य हासिल करना है, तो न्याय को सुलभ और त्वरित बनाना होगा। समारोह को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने इस बात पर गर्व व्यक्त किया कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या के मामले में देश का सबसे बड़ा उच्च न्यायालय है और सभी उच्च न्यायालयों में कार्यरत न्यायाधीशों की संख्या भी सबसे अधिक है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अपने 102 वर्षों के इतिहास में, उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा संघ ने अनेक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। यहाँ उपस्थित न्यायिक अधिकारी एकता, आपसी सहयोग और व्यावसायिक दक्षता के प्रमाण हैं। मैं इस अवसर पर आप सभी का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ। यह गर्व की बात है कि देश का सबसे बड़ा उच्च न्यायालय हमारे राज्य में स्थित है। मुख्यमंत्री योगी ने आगे रेखांकित किया कि हर स्तर पर सामूहिक प्रगति राष्ट्रीय विकास में योगदान देती है ।उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश के लोगों को एक विकसित भारत के संकल्प के साथ एकजुट किया है। अगर हम राज्य में काम कर रहे हैं, तो एक विकसित उत्तर प्रदेश, एक विकसित भारत में योगदान देगा। अगर हम ज़िले में काम कर रहे हैं, तो एक विकसित ज़िला, एक विकसित उत्तर प्रदेश में योगदान देगा। अगर हमें सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त करना है, तो हमें न्याय को सुलभ और त्वरित बनाना होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा संघ को 50 करोड़ रुपये की निधि प्रदान करने की भी घोषणा की। इससे पहले गुरुवार को, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए और ₹बाबूजी₹ को श्रद्धांजलि अर्पित की, साथ ही स्वास्थ्य मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल की भी प्रशंसा की। आदित्यनाथ ने यहाँ तीसरे 'हिंदू गौरव दिवस' समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा, ₹1977 में स्वास्थ्य मंत्री के रूप में और 1990 में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में, बाबूजी ने दिखाया कि कैसे राज्य में सुशासन लाया जा सकता है और कैसे यहाँ कानून का राज स्थापित किया जा सकता है।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा नगर अध्यक्ष पर जानलेवा हमला

भदोही। भाजपा भदोही अल्पसंख्यक मोर्चा के नगर अध्यक्ष मुमताज अंसारी पर शनिवार रात असामाजिक तत्वों ने बंधवा मयार्दा पट्टी स्थित आवास पर हमला कर दिया। हमलावर लाठी-डंडों से लैस थे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ अश्लील व अभद्र टिप्पणियां कर रहे थे। विरोध करने पर मुमताज अंसारी को पीटकर घायल कर दिया। हमलावर कट्टा लहराते हुए खुलेआम कह रहे थे कि पुलिस प्रशासन उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

संसद संवाद और बहस का मंच है, हंगामे का नहीं

-ललित गर्ग

लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान उसकी संसद होती है। संसद वह संस्था है जहां जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि राष्ट्र की नीतियों, योजनाओं और कानूनों पर विचार-विमर्श करते हैं। यह वह सर्वोच्च मंच है जहाँ विभिन्न विचारधाराएं और दृष्टिकोण टकराते हैं और देशहित में समाधान निकलता है। लेकिन दुर्भाग्यवश आज भारतीय संसद की छवि हंगामे, तोड़फोड़, शोर-शराबे और गतिरोध का पर्याय बनती जा रही है। हाल ही में संपन्न मानसून सत्र इसकी बानगी था, जो आरंभ से अंत तक त्रासद हंगामे की भेंट चढ़ गया। यह सत्र बेहद निराशा एवं अफसोसजनक रहा, क्योंकि सरकार और विपक्ष में टकराव उग्र से उग्रत्तर हुआ। राज्यसभा में केवल 41.15 घंटे और लोकसभा में 37 घंटे काम हुआ। संवाद एवं सौहाई की कमी दिखी, कई सवाल अधूरे रहे, जिनका जवाब देश जानना चाहता था। यहां दोनों पक्षों से ज्यादा समझदारी, सौहार्द और संतुलित नजरिये की अपेक्षा थी, लेकिन देशहित को दोनों पक्षों ने नेस्तनाबूद किया। यह स्थिति केवल दुखद ही नहीं बल्कि लोकतंत्र के भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय भी है।

लोकसभा के मानसून सत्र के लिए कुल 120 घंटे चर्चा के लिये निर्धारित थे, लेकिन कार्यवाही मात्र 37 घंटे ही चल पाई। यानी 70 प्रतिशत से अधिक समय लोकसभा में और 61 प्रतिशत से ज्यादा समय राज्यसभा में हंगामे और शोर-शराबे की भेंट चढ़ गया। संसद में बिताया गया प्रत्येक घंटा जनता के करोड़ों रुपये की कमाई से संचालित होता है। जब वही समय व्यर्थ हो जाए तो यह सीधे-सीधे जनता के साथ अन्याय है। गुजरात के एक निर्दलीय सांसद ने यह प्रश्न उठाया भी कि जो सांसद हंगामा कर सदन को ठप कर देते हैं, क्या वे जनता के धन की बरबादी की भरपाई करेंगे? यह प्रश्न केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति हमारी गंभीरता की कसौटी भी है। काम कम, हंगामा अधिक-आखिर हमारे राजनीतिक दल एवं जनप्रतिनिधि लोकतंत्र की मयार्दा एवं आदर्श को तार-तार करने पर क्यों तुले हैं? कैसी विडम्बना है कि लोकसभा की कार्यवाही के लिए 419 तारांकित प्रश्न शामिल किए गए थे और इनमें से महज 55 का मौखिक उत्तर मिल सका। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है और आवश्यक भी। विपक्ष का काम ही है सवाल उठाना, सत्ता को जवाबदेह बनाना। लेकिन यह काम हंगामे, नारेबाजी और सदन की कार्यवाही बाधित करने से नहीं हो सकता। संसद संवाद का मंच है, न कि संघर्ष का अखाड़ा। दुर्भाग्य यह है कि आज बहस और तर्क की जगह हंगामे और टकराव ने ले ली है। इससे न तो जनता की समस्याओं पर गंभीर विमर्श हो पाता है और न ही संसद की गरिमा सुरक्षित रह पाती है। सत्र शुरू होने के पहले कार्य मंत्रणा समिति में सरकार और विपक्ष के बीच कुछ मुद्दों पर चर्चा की सहमति बनी थी। लेकिन, सत्र शुरू होने के साथ ही उसे भुला दिया गया। संसदीय परंपरा में विरोध भी अधिकार है, लेकिन इसकी वजह से सदन की गरिमा और उसके कामकाज पर असर पड़ना दुर्भाग्यपूर्ण एवं चिन्ताजनक है।

भारत का हर नागरिक संसद से अपेक्षा करता है कि वहां उसकी समस्याओं पर चर्चा होगी-बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसे मुद्दे प्राथमिकता पाएंगे। लेकिन जब टीवी स्क्रीन पर वह अपने प्रतिनिधियों को मेज थपथपाते, नारे लगाते और वेल में जाकर हंगामा करते देखता है तो उसका विश्वास टूटता है और मन आहत होता है। उसे लगता है कि जिन नेताओं को उसने वोट देकर भेजा था, वे उसके हितों की बजाय केवल राजनीति का खेल खेल रहे हैं। यही कारण है कि आज लोकतंत्र के प्रति आम नागरिक का मोहभंग बढ़ रहा है। वैसे भी यह मानसून सत्र ऐसे वक्त हो रहा था, जब भारत नई चुनौतियों से गुजर रहा है। विदेश और आर्थिक, दोनों मोर्चों पर हालात तेजी से करवट ले रहे हैं। ऐसे में और भी अहम हो जाता है कि संसद में इस पर सार्थक चर्चा होती और वाद-विवाद से रास्ता निकाला जाता। बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन-एसआईआर और ऑपरेशन सिंदूर पर कई सवाल बचे रह गए। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं अन्य मंत्रियों के सजा की स्थिति-यानी जेल में होने पर पद से हटाने वाले संविधान संशोधन विधेयक जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर जिस गंभीरता की जरूरत थी, वह नहीं दिखी।

संसद में हंगामे की प्रवृत्ति में केवल विपक्ष ही नहीं बल्कि सत्ता पक्ष भी अक्सर इसमें बराबर का भागीदार होता है। जब कोई दल विपक्ष में होता है तो वह विरोध के लिए हरसंभव कदम उठाता है, और जब वही दल सत्ता में आता है तो संसद की गरिमा की दुहाई देने लगता है। यह दोहरा रवैया लोकतंत्र को कमजोर करता है। संसद को सुचारुरूप से चलाना केवल सरकार की ही नहीं, बल्कि विपक्ष की भी जिम्मेदारी है। दोनों पक्षों को यह समझना होगा कि वे जनता के सेवक हैं, और जनता उनके कामकाज पर पैनी नजर रखती है। संसद में अनुशासन और मयार्दा बनाए रखने के लिए कठोर नियमों की आवश्यकता है। यदि कोई सांसद बार-बार हंगामा करता है, सदन की कार्यवाही बाधित करता है, तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। आर्थिक दंड एक प्रभावी उपाय हो सकता है। जिस प्रकार एक कर्मचारी को कार्यालय में अनुशासन भंग करने पर वेतन काटा जाता है, उसी प्रकार सांसद का भत्ता और सुविधाएं भी रोकी जानी चाहिए। तभी उन्हें यह समझ आएगा कि संसद खेल का मैदान नहीं बल्कि देशहित का पवित्र मंच है।

कई बार सांसद यह तर्क देते हैं कि यदि उनकी आवाज संसद में नहीं सुनी जाती तो वे मजबूर होकर हंगामा करते हैं। लेकिन यह तर्क स्वीकार्य नहीं है। संसद में बोलने के लिए पर्याप्त अवसर मिलते हैं, शून्यकाल, प्रश्नकाल, विशेष उल्लेख, स्थायी समितियाँ-ये सभी मंच सांसदों को मुद्दे उठाने का अवसर देते हैं। यदि इन मंचों का सही उपयोग हो तो हंगामे की कोई आवश्यकता नहीं रहती। सड़क की राजनीति और संसद की राजनीति में अंतर होना चाहिए। यदि संसद भी सड़क जैसी दिखने लगे तो लोकतंत्र की पवित्रता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। अब समय आ गया है कि जनता अपने सांसदों से सवाल पूछे। मतदाता केवल जाति, धर्म या दल देखकर वोट न दें, बल्कि यह भी देखें कि उनका प्रतिनिधि संसद में कितना समय उपस्थित रहता है, कितनी बार बोलता है, कितने प्रश्न पूछता है और कितनी गंभीरता से बहस में भाग लेता है। चुनाव आयोग और मीडिया को भी यह आँकड़े मतदाताओं तक पहुँचाने चाहिए। जब मतदाता यह तय करने लगेंगे कि उनका वोट केवल उन नेताओं को जाएगा जो संसद में गंभीरता से काम करते हैं, तभी यह प्रवृत्ति बदलेगी।

लोकतंत्र की सफलता केवल संविधान या संस्थाओं से नहीं, बल्कि उन लोगों से होती है जो उन्हें संचालित करते हैं। यदि सांसद ही अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाएँगे तो लोकतंत्र खोखला हो जाएगा। आज आवश्यकता है कि सभी राजनीतिक दल एक साथ बैठकर यह संकल्प लें कि चाहे सत्ता में हों या विपक्ष में, वे संसद की गरिमा को आंच नहीं आने देंगे। असहमति और संघर्ष लोकतंत्र का हिस्सा हैं, परंतु वह असहमति तर्क और संवाद से होनी चाहिए, हंगामे और अव्यवस्था से नहीं। संसद में हंगामे की प्रवृत्ति लोकतंत्र की आत्मा पर प्रहार है। यह जनता की गाढ़ी कमाई की बरबादी है और उनकी उम्मीदों का अपमान भी। यह संसाधनों की बबार्दी एवं जनविश्वास का हनन है। चिंताजनक बात यह है कि संसदीय कार्यवाही का ऐसा अंजाम अब आम हो चुका है। पिछले शीत सत्र में ही लोकसभा के 65 से ज्यादा घंटे बर्बाद हुए थे। संसद सत्र को चलाने में हर मिनट ढाई लाख रुपये से ज्यादा खर्च होते हैं। ऐसे में सदन जब काम नहीं करता, तो जनता की गाढ़ी कमाई के इन रुपयों के साथ देश का बेहद कीमती समय भी जाया हो जाता है। संसद में केवल वही बहसें होनी चाहिए जो देश के भविष्य को दिशा दें, समस्याओं का समाधान निकालें और नीतियों को प्रभावी बनाएँ। यदि संसद ही शोरगुल और हंगामे का अखाड़ा बन जाए तो

क्या भाजपा का अगला टारगेट पश्चिम बंगाल है?

अशोक भाटिया

दिल्ली चुनाव में मिली जीत ने भाजपा का आत्मविश्वास बढ़ा दिया है। दिल्ली में करीब 28 साल बाद भाजपा की सरकार बनी इस जीत के बादभाजपा बंगाल में ममता बनर्जी का किला ध्वस्त करने में लग गई है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारी जीत के साथ ही भाजपा नेताओं की नजर अब फिर से बंगाल पर टिक गई है। बंगाल के भाजपा नेताओं और कार्यकताओं ने इंटरनेट मीडिया पर लिखना शुरू कर दिया कि इस बार लक्ष्य बंगाल, 2026 में बंगाल की बारी। वहीं, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार के मुताबिक बड़े पैमाने पर वित्तीय भ्रष्टाचार, लोकलुभावन योजनाओं, दान वितरण और व्यक्तिवाद के आरोप ही वे तीन मुख्य तत्व हैं जो दिल्ली की तरह बंगाल की राजनीति में समान हैं।

बंगाल में अपनी जीत को पक्का करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हालिया तीन बार चक्कर लगा चुके है व करोड़ों रुपयों की परियोजनाओं का ऐलान कर चुके है . ताजा दौरे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ममता बनर्जी की अगुवाई वाली टीएमसी सरकार को दोबारा निशाने पर लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य के शिक्षक भर्ती घोटाले का जिक्र करते हुए कहा है टीएमसी ने भ्रष्टाचार की हदें पार कर दी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कह कि टीएमसी सरकार ने न सिर्फ गलत ढंग से नौकरी दी बल्कि शिक्षकों के परिवारों को तबाह कर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि टीएमसी के भ्रष्टाचार के कारण बंगाल में मची चीख-पुकार, लोग कह रहे हैं कि अब नहीं चाहिए टीएमसी की सरकार। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि टीएमसी के नेता भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। वह कट और कमीशन की मांग कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल सरकार की तुलना निर्मम सरकार से की, हालांकि उन्होंने अपने संबोधन में ममता बनर्जी का नाम नहीं लिया। उन्होंने टीएमसी सरकार कहकर ही हमला बोला।

प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल कि जनता से कहा कि पश्चिम बंगाल कई संकटों से घिरा हुआ है। पहला संकट समाज में फैली हिंसा और अराजकता है। दूसरा संकट माताओं-बहनों का असुरक्षा है। तीसरा संकट नौजवानों में घोर निराशा आ रही है। टीएमसी अपनी गलती मानने के लिए तैयार नहीं है। घोटालेबाजों ने सैकड़ों लोगों को अंधकार में धकेल दिया। टीएमसी सरकार दोषियों को बचाने की कोशिश में है। उन्होंने सवाल किया कि टीएमसी सरकार को गरीबों की कमाई पर डाका डाल रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मुर्शिदाबाद में जो कुछ हुआ, मालदा में जो कुछ हुआ।वो यहां की टीएमसी सरकार की निर्ममता का उदाहरण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बंगाल में केंद्र सरकार की योजनाओं को लागू नहीं किया गया है। उन्होंने आयुष्मान योजना से लेकर प्रधानमंत्री सड़क योजना का जिक्र किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि टीएमसी की सरकार को विकास से कोई लेनादेना नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा 90 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट को बंगाल सरकार ने रोका हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने इनमें हाईवे और मेट्रो जैसे प्रोजेक्ट शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा टीएमसी सरकार ने लटकाकर रखा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सत्ताधारी पार्टी स्वार्थ की राजनीति कर रही है। उन्होंने बंगाल में बंद रहे टी-गार्डन का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि टीएमसी सरकार को आदिवासियों से कोई लगाव नहीं है। टीएमसी आदिवासी समाज को वंचित रखना चाहती है। पार्टी ने आदिवासी महिला राष्ट्रपति का विरोध किया। जनमन योजना भी लागू नहीं होने दी जा रही है।टीएमसी के नेताओं ने पाप किया है। बंगाल में कोर्ट को बार-बार दखल देना पड़ता है। बंगाल में चीख पुकार, नहीं चाहिए निर्मम सरकार । बंगाल में गुंडागर्दी की खुली छूट दी गई है। बंगाल की जनता को टीएमसी पर नहीं, कोर्ट पर भरोसा है। सत्ताधारी दल के नेता ही लोगों के घरों को जलाते हैं।

इधर अमित शाह भी बंगाल का किला फतह करने में कोई कोए कसर नहीं छोड़ रहे है . उनकी पहचान भाजपा के 'चाणक्य' के रूप में होती है। शाह के लिए यह विशेषण यूं ही नहीं बन गया है। शाह ने चुनावी राजनीति में गुजरात से लेकर दिल्ली तक अपनी काबिलियत को साबित किया है। पार्टी अध्यक्ष के रूप में शाह ने भाजपा को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनके तालमेल की तो मिसाल दी जाती है। कहा जाता है कि शाह जो लक्ष्य तय करते हैं उसे हर हाल में पूरा करके ही छोड़ते हैं। अब पार्टी के इस कुशल रणनीतिकार ने अपने लिए पश्चिम बंगाल को बड़े लक्ष्य के रूप में तय किया है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर शाह ने यह लक्ष्य क्यों रखा है। जानते हैं इसके बारे में।अप्रैल-मई में लोकसभा चुनाव और आरजी कर की घटना के बाद शाह हाल ही में पहली बार पश्चिम बंगाल के दौरे पर पहुंचे थे। शाह ने यहां पार्टी की सदस्यता अभियान की शुरूआत की। इसके साथ ही शाह ने घोषणा की किभाजपा का 'अगला बड़ा लक्ष्य' 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में सरकार बनाना है।

गौरतलब है कि बीजेपी ने लोकसभा चुनाव में बंगाल से 30 से अधिक सीट जीतने का लक्ष्य रखा था, लेकिन उसे 2019 की तुलना में छह कम यानी 12 सीट पर जीत मिली। पश्चिम बंगाल में 42 लोकसभा सीट हैं। राज्य में संदेशखाली का मुद्दा काफी गरम रहा था। इस मुद्दे को लेकरभाजपा ने महिला सुरक्षा को लेकर सरकार को घेरने का पुरजोर प्रयास किया था। पार्टी ने संदेशखाली पीड़ित में से एक रेखा पात्रा बशीरहाट लोकसभा सीट से पार्टी का उम्मीदवार बनाकर एक संदेश देने की कोशिश भी की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने रेखा पात्रा को शक्ति स्वरूपा तक कहा था। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी खुद बंगाल जाककर संदेशखाली की पीड़ित महिलाओं से मिले थे। हालांकि,भाजपा महिला सुरक्षा जैसे मजबूत मुद्दे को भुनाने में असफल रही थी। इससे पार्टी को बड़ा झटका लगा था। ऐसे में शाह में संदेशखाली मुद्दे को पार्टी की तरफ से नहीं भुना पाने की टीस तो जरूर रही होगी। ऐसे में शाह नहीं चाहते हैं कि वह अगली बार विधानसभा चुनाव में किसी भी तरह से पिछड़ें। देखा जाय तो इस समय पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी लगातार अपनी स्थिति मजबूत किए हुए हैं। पश्चिम बंगाल में अब तक मोदी लहर से लेकर शाह की रणनीतिक बेअसर रही है।भाजपा तमाम कोशिशों के बावजूद यहां मजबूत स्थिति में खुद को नहीं पहुंचा पाई है। ममता ने विधानसभा चुनाव के बाद लोकसभा चुनाव में भी अपनी ताकत का अहसास दिया है। बंगाल में लोकसभा चुनाव में जीत से ममता यह संदेश देने में कामयाब रही हैं कि बंगाल में उनका अभी कोई विकल्प नहीं है। राजनीतिक विश्लेषकों के साथ ही लोगों के एक वर्ग में यह राय भी बन गई है किभाजपा का जादू बंगाल में फेल हो जाता है। ऐसे में शाह के सामने सबसे बड़ी चुनौती बंगाल में ममता को पटखनी देकरभाजपा का दम दिखाना है। अमित शाह ने 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में दो तिहाई बहुमत हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। शाह ने पार्टी सदस्यों से राज्य में अपने प्रभाव को कम नहीं आंकने का आग्रह किया है। शाह एक कुशल रणनीतिकार की तरफ से कार्यकताओं का मनोबल बढ़ाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं।भाजपा ने राज्य में सदस्यता अभियान के दौरान पिछली बार 88 लाख से अधिक सदस्य बनाए थे। मौजूदा समय में पार्टी में अधिक सांसद और विधायक हैं। ऐसे में पार्टी का लक्ष्य एक करोड़ सदस्यों को पार करना है। पार्टी कार्यकताओं को यह विश्वास दिला रही है कि वे चुनौती को स्वीकार करते हुए पार्टी के लक्ष्य को हासिल करने में जुट जाएं।

इस समय मजबूत संगठन, नए चेहरों को लाना भी एक चुनौती है क्योकि भाजपा का राज्य में प्रदर्शन टुकड़ो-टुकड़ों में रहता है। पार्टी एक साथ पूरे राज्य में मजबूत नजर नहीं आती है। नार्थ परगना, साउथ परगना, कोलकाता, हावड़ा और हुगली में पार्टी का संगठन तुलनात्मक रूप से कमजोर है। इस क्षेत्र में 16 लोकसभा सीटें आती हैं। 2019 के चुनाव मेंभाजपा ने 16 में से महज 3 सीटे ही जीती थी। इस बार यह प्रदर्शन और भी कमजोर रहा। राज्य में दिलीप घोष, सुवेंदु अधिकारी, तापस रॉय जैसे गिने-चुने ही चेहरे नजर आते हैं। ऐसे में शाह की नजर राज्य में क्षेत्रीय स्तर पर मजबूत चेहरों को सामने करने की होगी। इस तरह शाह के लिए पश्चिम बंगाल में अगले दो साल रणनीतिक रूप से काफी अहम है। शाह के सामने ममता के मजबूत किले को ध्वस्त करने की चुनौती है। इस बीच बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि बंगाल में आवास योजना के तहत एक लाख 20 हजार रुपये दिए जा रहे हैं। इस पैसे से घर नहीं खरीदा जा सकता। भाजपा सत्ता में आई तो आवास योजना के तहत एक लाख 80 हजार रुपये दिए जाएंगे। वहीं, जिन लोगों को आवास योजना का लाभ नहीं मिला है, उन्हें सीधे तीन लाख रुपये दिए जाएंगे। प्रदेश भाजपा के मुख्य प्रवक्ता व राज्य सभा सदस्य शमिक भट्टाचार्य ने कहा कि भाजपा सत्ता में आई तो हम महिलाओं को मौजूदा सरकार की लक्ष्मी भंडार परियोजना के तहत मिलने वाली राशि से अधिक देंगे।

इसके अलावा संघ प्रमुख मोहन भागवत फरवरी में 10 दिनों के लिए बंगाल दौरे पर थे। सूत्र बताते हैं कि इस दौरान भागवत ने भाजपा की जीत के लिए ब्लूप्रिंट तैयार किया। भागवत के बंगाल से जाने के बाद संघ ने 1 और 2 मार्च को हावड़ा में भाजपा नेताओं के साथ बैठक की थी । सूत्रों ने बताया कि बैठक का मुख्य एजेंडा 2026 विधानसभा चुनाव था। बंगाल में चुनाव से पहले भाजपा एक करोड़ सदस्यों को जोड़ने के अपने लक्ष्य में कहां तक पहुंची है और अपना आधार मजबूत कैसे कर सकती है, इसकी रणनीतियों पर चर्चा की गई। संघ ने भाजपा को बंगाल में हिंदू एजेंडा फैलाने का भी निर्देश दिया।बंगाल में हिंदुओं को अपनी विचारधारा से जोड़ने की संघ की कवायद नई नहीं है। वह बंगाल में लंबे समय से इसकी कोशिश कर रहा है। आंकड़े बताते हैं कि बीते दो साल में संघ ने बंगाल में अपना दायरा तेजी से बढ़ाया है। 2023 में बंगाल में संघ की कुल 3,560 शाखाएं थीं, जो 2025 में 4,540 हो गई हैं।एक्सपर्ट कहते हैं कि भाजपा ने अगर टी एम सी के वोट बैंक में 4% की सेंध लगा दी, तो यह 2026 के चुनाव में गेम चेंजर साबित हो सकता है।

हिन्दू-मुस्लिम राजनीति की जड़ें कांग्रेस में, तो बीजेपी पर आरोप क्यों?

-सुरेश गांधी

भारत के लिए जरूरी है कि वह राजनीति को तुष्टिकरण से अलग करे। कांग्रेस ने आजादी से पहले और बाद में जो गलती की, उसका खामियाजा देश ने विभाजन और दंगों के रूप में भुगता। यदि आज भी वही राजनीति जारी रही तो यह राष्ट्र की अखंडता के लिए खतरा होगी। इसलिए यह सवाल बार-बार उठाना चाहिए कि हिन्दू-मुस्लिम राजनीति की जड़ें किसने बोईं? और जवाब हमेशा यही रहेगा, कांग्रेस ने। भारतीय राजनीति का सबसे बड़ा विरोधाभास यही है कि आज हिन्दू-मुस्लिम राजनीति का ठीकरा अक्सर भारतीय जनता पार्टी पर फोड़ा जाता है, जबकि इस राजनीति की वास्तविक शुरुआत कांग्रेस ने ही की थी। आजादी से पहले से लेकर आजादी के बाद तक कांग्रेस ने तुष्टिकरण की नीति अपनाकर बार-बार यह साबित किया कि उसका मुख्य राजनीतिक आधार मुस्लिम वोट बैंक ही रहा है। सवाल यह है कि जब बीज कांग्रेस ने बोया, तो दोष बीजेपी पर क्यों मढ़ा जा रहा है? 1909 का अलग मताधिकारः राजनीति में अलगाव की पहली दरार बनी। मोरली-मिंटो सुधारों में कांग्रेस की सहमति ने मुस्लिम लीग को राजनीतिक ताकत दी। 1906 में मुस्लिम लीग की स्थापना के बाद 1909 में ब्रिटिश सरकार ने मोरली-मिंटो सुधार लागू किए। इसके तहत मुसलमानों को अलग चुनावी मताधिकार का अधिकार दिया गया। यह वह क्षण था जिसने भारतीय राजनीति में हिन्दू-मुस्लिम खाई की नींव रखी। कांग्रेस ने इस फैसले का विरोध करने के बजाय इसे चुपचाप स्वीकार कर लिया। इस मौन सहमति ने मुस्लिम लीग को मजबूत किया और साम्प्रदायिक राजनीति को आधिकारिक दर्जा मिल गया।

1937 के चुनावः कांग्रेस की गलती और जिन्ना की जिद का ही परिणाम रहा कि जब कांग्रेस की बहुमत की सरकार बनी, तब मुस्लिम मतदाताओं को साधने में की गई गलतियों ने जिन्ना को अलगाव की ओर धकेला। 1937 के प्रांतीय चुनावों में कांग्रेस को बहुमत मिला और उसकी सरकार बनी। लेकिन जिन्ना और मुस्लिम लीग को करारा झटका लगा। कांग्रेस चाहती तो मुसलमानों को समान रूप से शामिल करके उन्हें साथ ले सकती थी। लेकिन कांग्रेस नेताओं ने मुस्लिम लीग के महत्व को नकारा। इसी से मोहम्मद अली जिन्ना ने अलगाव का रास्ता चुना और “मुसलमानों के लिए अलग राष्ट्र” की विचारधारा मजबूत हुई। 1942 का क्रिप्स मिशन और कांग्रेस की असफलता का सबसे बड़ा प्रमाण है। या यूं कहे कांग्रेस की हठधर्मिता ने जिन्ना को ब्रिटिश हुकूमत का अहम सहयोगी बना दिया। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जब 1942 में ब्रिटिश सरकार ने क्रिप्स मिशन भेजा, तो उसने भारत को डोमिनियन स्टेटस का प्रस्ताव दिया। कांग्रेस ने इसे खारिज कर दिया, लेकिन मुस्लिम लीग ने ब्रिटिश सरकार का समर्थन किया। यह वही दौर था जब जिन्ना की मांगें जोर पकड़ने लगीं और पाकिस्तान की राह प्रशस्त हुई। कांग्रेस यदि दूरदर्शिता दिखाती तो शायद विभाजन से बचा जा सकता था। 1947ः विभाजन की त्रासदी और कांग्रेस का तुष्टिकरण का ही प्रतिफल है। नेहरू और गांधी की समझौता नीति ने भारत को दो टुकड़ों में बांट दिया। आखिरकार 1947 में भारत का विभाजन हुआ। यह केवल जिन्ना की जिद का नतीजा नहीं था, बल्कि कांग्रेस की नीतियों की विफलता भी थी। गांधी और नेहरू ने मुस्लिम लीग को मनाने में अपनी पूरी ताकत झोंकी, लेकिन उनकी हर कोशिश अंततः भारत की अखंडता पर भारी पड़ी। आजादी तो मिली, पर खून की नदियां बहाकर।

भारत का राजनीतिक इतिहास जब-जब चर्चा में आता है, तब-तब “हिन्दू-मुस्लिम राजनीति” को लेकर उंगलियां बीजेपी पर उठाई जाती हैं। परंतु यदि गहराई से देखा जाए तो इसकी जड़ें कांग्रेस के दौर में ही मिलती हैं। आजादी से पहले कांग्रेस की रणनीति, मुस्लिम लीग से उसके समझौते, और तुष्टिकरण की राजनीति ने ही जिन्ना को अलग रास्ता चुनने के लिए प्रेरित किया। सवाल यह है कि जब इतिहास खुद गवाही देता है कि इस राजनीति की शुरुआत कांग्रेस ने की, तो आज इसके लिए बीजेपी पर आरोप क्यों लगाए जा रहे हैं? जबकि जिन्ना के दौर से लेकर सोनिया-राहुल की रणनीति तक, कांग्रेस ने हमेशा मुस्लिम तुष्टिकरण को ही बनाया अपनी ढाल। इतिहासकारों की मानें तो 1937 के प्रांतीय चुनावों में कांग्रेस ने अपनी राजनीतिक ताकत दिखाई। लेकिन यही चुनाव मुस्लिम लीग के लिए बड़ा झटका साबित हुए। जिन्ना ने महसूस किया कि कांग्रेस का झुकाव बहुसंख्यक हिन्दू वोटों के साथ मुस्लिम मतदाताओं को भी साधने पर है। इसीलिए वह धीरे-धीरे “मुस्लिम अलगाववाद” की राजनीति की ओर मुड़े। आजादी के बाद भी कांग्रेस ने इस वोट-बैंक की राजनीति को छोड़ा नहीं। शाहबानो केस से लेकर वक्फ एक्ट, और अब राहुल गांधी का वायनाड से चुनाव लड़ना, ये सब उदाहरण साबित करते हैं कि कांग्रेस ने मुस्लिम तुष्टिकरण को अपनी राजनीति का स्थायी आधार बना लिया है।

इतिहास गवाह है, मुस्लिम लीग की जिद कांग्रेस की गलतियों से मजबूत हुई, आज भी वही राजनीति “सेक्युलरिज्म” के नाम पर जारी है। या यूं कहे आजादी से पहले की वही गलती आज भी दोहराई जा रही है। कांग्रेस स्वयं को सेक्युलर बताती है, लेकिन असल में उसका एजेंडा मुस्लिम कार्ड पर ही आधारित रहा है। यह रणनीति न केवल समाज में खाई पैदा करती है, बल्कि भाजपा पर आरोप लगाकर कांग्रेस अपने असली इतिहास से ध्यान भटकाने की कोशिश करती है। भारत को एकजुट रखने के लिए जरूरी है कि राजनीति तुष्टिकरण से ऊपर उठे। कांग्रेस ने अतीत में जो गलती की, उसके दुष्परिणाम देश ने विभाजन के रूप में झेले। आज अगर वही राजनीति “सेक्युलरिज्म” के नाम पर जारी रहती है तो यह केवल समाज में अविश्वास और तनाव को बढ़ाएगी। वे भूल रहे है कि महात्मा गांधी और पंडित नेहरू ने मुस्लिमों को साथ रखने के लिए कई रियायतें दीं। खिलाफत आंदोलन से लेकर अलग-अलग समय पर मुस्लिम समुदाय को तुष्ट करने वाली नीतियां अपनाई गईं। लेकिन विरोधाभास यह रहा कि इन नीतियों ने मुस्लिम नेतृत्व को और अधिक अलगाववादी बना दिया। आजादी की प्रक्रिया में भी कांग्रेस ने जिन्ना की मांगों के सामने परोक्ष रूप से घुटने टेके और अंततः देश का विभाजन स्वीकार किया। यानी हिन्दू-मुस्लिम के नाम पर सबसे बड़ा फैसला, देश को दो टुकड़ों में बांटने का, कांग्रेस के नेतृत्व में ही लिया गया।

तुष्टिकरण की राजनीति और “सेक्युलरिज्म” का चोला

आजादी के बाद कांग्रेस ने तुष्टिकरण को ही अपनी स्थायी रणनीति बना लिया। शाहबानो केस से लेकर राम जन्मभूमि आंदोलन तक, कांग्रेस की नीतियों ने हमेशा यह संदेश दिया कि उसका झुकाव मुस्लिम वोट बैंक की ओर है। सेक्युलरिज्म के नाम पर बार-बार ऐसी नीतियां अपनाई गईं, जिससे बहुसंख्यक समाज की भावनाएं आहत हुईं और अल्पसंख्यक समाज को “विशेष संरक्षण” का संदेश दिया गया। अगर कांग्रेस ने ही हिन्दू-मुस्लिम राजनीति की नींव रखी, तो आज भाजपा पर आरोप क्यों लगाए जाते हैं? दरअसल, भाजपा बहुसंख्यक समाज की भावनाओं को आवाज देती है। भाजपा कहती है कि यदि मुस्लिम समाज को उनकी आस्था और पहचान के आधार पर अधिकार मिल सकते हैं, तो हिन्दू समाज को भी अपने धार्मिक और सांस्कृतिक अधिकारों की रक्षा का समान हक होना चाहिए। यही बात कांग्रेस को खटकती है, और इसलिए वह भाजपा पर “ध्रुवीकरण की राजनीति” का आरोप मढ़ती है।

आजादी से पहले ही बो दिया गया था विभाजन का बीज

कांग्रेस को अक्सर “सर्वधर्म समभाव” की पार्टी कहा गया, लेकिन सच्चाई यह है कि उसने मुस्लिमों को खुश करने के लिए तुष्टिकरण की राजनीति सबसे पहले शुरू की। कांग्रेस की उपेक्षा के चलते ही लीग ने “दो-राष्ट्र सिद्धांत” की बात छेड़ी। यह वही समय था जब कांग्रेस को हिन्दू-मुस्लिम एकता की बजाय सत्ता पर पकड़ मजबूत करने की चिंता अधिक थी। गांधी-नेहरू का नैतिक नेतृत्व होने के बावजूद कांग्रेस संगठन ने मुस्लिम समाज को अलग पहचान देने की बजाय उन्हें असुरक्षा में धकेल दिया। नतीजा यह हुआ कि मुस्लिम लीग का प्रभाव लगातार बढ़ता गया। इतिहासकार मानते हैं कि जिन्ना शुरू में धर्मनिरपेक्ष सोच रखते थे। वे भी कांग्रेस के साथ आजादी की लड़ाई में शामिल थे। लेकिन 1920 के दशक में खिलाफत आंदोलन के दौरान और फिर 1937 के चुनावों में कांग्रेस की नीतियों से उन्हें आघात पहुंचा। कांग्रेस ने अलगाव की खाई को पाटने की जगह और चैड़ा कर दिया। मुस्लिम लीग को दरकिनार करना, मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में कांग्रेस का दखल और मुस्लिम समाज की वास्तविक चिंताओं की अनदेखी, ये सब कदम जिन्ना के लिए संजीवनी साबित हुए। कहा जा सकता है कि अगर कांग्रेस ने समावेशी राजनीति की होती तो शायद पाकिस्तान की मांग इतनी जोर न पकड़ती।

कांग्रेस ने आजादी से पहले भी और बाद में भी मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति को कभी छोड़ा नहीं। आजादी के तुरंत बाद अल्पसंख्यकों को लेकर विशेष नीतियां बनाई गईं, जबकि बहुसंख्यक हिन्दू समाज की अपेक्षाओं की अनदेखी होती रही। धीरे-धीरे यह “सेक्युलरिज्म” का लेबल पहनकर वोट बैंक राजनीति का सबसे बड़ा हथियार बन गया। बीजेपी पर अक्सर आरोप लगता है कि वह हिन्दू भावनाओं को भुनाती है, लेकिन सच्चाई यह है कि कांग्रेस ने ही सबसे पहले धार्मिक आधार पर राजनीति शुरू की थी। कांग्रेस की रणनीति हमेशा से रही, मुस्लिम वोटों का ध्रुवीकरण कर सत्ता पाना।

वायनाड की राजनीतिः कांग्रेस का मुस्लिम कार्ड

कांग्रेस की राजनीति का मौजूदा चेहरा भी इसी तुष्टिकरण की गवाही देता है। राहुल गांधी का चुनावी क्षेत्र वायनाड इसका बड़ा उदाहरण है। वायनाड 80 फीसदी से अधिक मुस्लिम बहुल इलाका है। सवाल यह उठता है कि क्या राहुल गांधी को यह सीट केवल इसलिए सुरक्षित लगी क्योंकि वहाँ उन्हें मुस्लिम वोट बैंक का भरोसा था? इतिहास और वर्तमान, दोनों मिलकर यही साबित करते हैं कि कांग्रेस ने हमेशा मुस्लिम कार्ड का इस्तेमाल किया। जिन्ना से लेकर सोनिया-राहुल तक यही परंपरा चली आ रही है। कहा जा सकता है भारत का विभाजन केवल जिन्ना की जिद का परिणाम नहीं था, बल्कि कांग्रेस की गलतियों और तुष्टिकरण की राजनीति का भी नतीजा था। आज जब बीजेपी पर धार्मिक राजनीति का आरोप लगाया जाता है तो यह सवाल उठाना स्वाभाविक है कि क्या हिन्दू-मुस्लिम राजनीति की बुनियाद रखने वाली कांग्रेस अपनी ऐतिहासिक जिम्मेदारी से बच सकती है?

जिन्ना मूल रूप से धर्मनिरपेक्ष नेता थे और हिंदू-मुस्लिम एकता के पैरोकार माने जाते थे। लेकिन जब उन्होंने देखा कि कांग्रेस ने मुस्लिम नेताओं को बराबरी का स्थान नहीं दिया, तो उन्होंने मुस्लिम लीग को मजबूत करने का रास्ता चुना। 1940 के लाहौर प्रस्ताव ने पाकिस्तान की नींव रखी। इतिहासकार मानते हैं कि अगर कांग्रेस मुस्लिमों को अपने साथ जोड़ने में ईमानदार होती तो जिन्ना को अलगाव का रास्ता नहीं मिलता।

गांधी-नेहरू की नीतियां और तुष्टिकरण

कांग्रेस नेतृत्व ने मुस्लिमों के प्रति दोहरी नीति अपनाई। एक ओर वे हिन्दू-मुस्लिम एकता की बात करते थे, दूसरी ओर मुस्लिम लीग के दबाव में बार-बार झुकते भी थे। 1946 में अंतरिम सरकार के गठन के समय भी कांग्रेस ने मुस्लिमों को अलग पहचान देने वाली रियायतें दीं, जिसने विभाजन को और पुख्ता किया।

विभाजनः ऐतिहासिक भूल या राजनीतिक रणनीति?

1947 में देश का विभाजन हुआ। यह केवल जिन्ना की जिद का परिणाम नहीं था, बल्कि कांग्रेस की उस नीति का भी परिणाम था जिसने मुस्लिम तुष्टिकरण और अलगाव को बढ़ावा दिया। गांधी और नेहरू, दोनों नेताओं ने ब्रिटिश दबाव और तत्कालीन परिस्थितियों में समझौता किया, लेकिन उसकी कीमत देश को लाखों बेकसूरों की जान और स्थायी बंटवारे के रूप में चुकानी पड़ी। खास यह है कि राजनीति में वोट बैंक का अर्थ केवल धर्म और जाति से जोड़ दिया गया। यह वही सिलसिला है, जो जिन्ना से शुरू हुआ और आज तक जारी है। मतलब साफ है कांग्रेस ने जिस राजनीति की नींव रखी, उसी पर आज तक देश की चुनावी रणनीतियां खड़ी हैं। फर्क केवल इतना है कि बीजेपी इसे खुले तौर पर कहती है और कांग्रेस इसे छिपाकर वोट बैंक की राजनीति करती है। शाहबानो केस में कांग्रेस सरकार ने कोर्ट के फैसले को पलटकर मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के दबाव में झुक गई। उर्दू और मदरसों को बढ़ावा देने की नीतियां, हज सब्सिडी जैसे कदम भी कांग्रेस की “सेक्युलर” राजनीति की असलियत को उजागर करते हैं। कश्मीर में धारा 370 को बचाए रखने में भी कांग्रेस की यही सोच काम कर रही थी। भारतीय राजनीति में हिन्दू मुस्लिम विभाजन की चर्चा आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, जितनी स्वतंत्रता आंदोलन के दिनों में थी। जब भी भाजपा पर यह आरोप लगाया जाता है कि वह हिन्दू मुस्लिम के नाम पर राजनीति करती है, तो स्वाभाविक प्रश्न उठता है, क्या यह सिलसिला भाजपा से शुरू हुआ, या इसकी जड़ें कांग्रेस की नीतियों में ही गहरी दबी हुई हैं? इतिहास का निष्पक्ष अध्ययन बताता है कि इस देश में धर्म आधारित राजनीति की शुरूआत कांग्रेस ने ही की थी और आज भी उसका सिलसिला वायनाड जैसे उदाहरणों से जारी है। कांग्रेस का राजनीतिक चरित्र शुरू से ही दोहरेपन से भरा रहा। स्वतंत्रता आंदोलन के दिनों में महात्मा गांधी ने खिलाफत आंदोलन (1919-24) का समर्थन करके मुस्लिम तुष्टिकरण की आधारशिला रखी। यह आंदोलन पूरी तरह धार्मिक था, जिसका भारत की आजादी से सीधा संबंध नहीं था। मगर गांधीजी ने सोचा कि मुसलमानों को खुश करके आजादी की लड़ाई में साथ लिया जा सकता है। नतीजा यह हुआ कि जिन्ना जैसे नेता किनारे हो गए और मुस्लिम लीग को अपने लिए जमीन मिल गई। यही रणनीति आगे चलकर जिन्ना की मांग को मजबूत कर गई कि मुसलमानों का अलग राष्ट्र होना चाहिए।

अंग्रेजों की चालः ब्रिटिश साम्राज्य ने हमेशा “फूट डालो और राज करो” की नीति अपनाई। 1932 का कम्युनल अवॉर्ड मुसलमानों और दलितों को अलग निर्वाचन देकर हिन्दू मुस्लिम खाई को और चैड़ा कर गया। यही खाई 1940 के दशक में दंगों और विभाजन में बदल गई।

हो रही बारिश बादल फाड़, मैदान पहाड़ रहे मार दहाड़

-विक्रम दयाल

मैदान से लेकर पहाड़ों तक जल का प्रकोप देखने को मिल रहा है। चारो तरफ बारिश के पानी को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। सड़कों और राहों में पानी का भराव, उफनती नदियाँ और नाले हर क्षेत्रों में जल का कठिन प्रहार जनता को परेशान कर रहा है। पानी के बहते रेलों के अंदर पानी के प्रहार से उखड़कर बहते हुए पेड़, कारें, दोपहिया वाहन, ट्रक, बस, खिलौने की तरह वर्षा के जल में बहने लगे हैं। पानी के तेज बहाव से कटकर पहाड़ों से गिरती चट्टानें, मलवे, पानी की मार से गिरती इमारतें, घर, बंगले, बहते हुए खेत, मानो पहाड़ों पर रहने वालों की जिंदगी में बारिश ने जहर घोल दिया है। उत्तराखण्ड, कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, गुजरात, उत्तर प्रदेश, विहार, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, आसाम, उड़ीसा, महाराष्ट्र , कोकण, मुंबई और थाने में जगह जगह जल भराव हो जाने के कारण भारी से भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सड़के टूटी हुई और जल में डूबी हुई, रेलवे ट्रैक भी बारीश के पानी में डूबे होने के कारण और भारी बारिश की वजह से फ्लाइटों के संचालन पर भी असर हुआ है। पानी की तबाही से यातायात पर भारी असर पड़ा है। मुंबई मैं लोकल ट्रेनों के ट्रैक पर जल भराव हो गया है। बारिश ने मेट्रो ट्रेन पर भी अपना असर दिखाया है। थाणे, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, और पुणे के जिलों में अधिक से अधिक वर्षा हुई है। महाराष्ट्र के बुलढ़ाना,वसीम, यवतमाल, अकोला, अमरावती, नागपुर, वर्धा, चंद्रपुर, गढ़चिरौली, गोंदिया, भंडारा में भी अधिक वर्षा होने की खबरें हैं। जिसके फलस्वरूप ट्रेनों के संचालन में रूकावटें पैदा हो गई है। भारी बारिश के चलते मुंबई, थाणे, नवी मुंबई के स्कूलों में छुट्टियां घोषित कर दी गई है। इस तूफानी बारिश का कहर आंध्रप्रदेश, कर्नाटक राज्य, तमिलनाडु, केरल,उडीसा, महाराष्ट्र, गुजरात, और मध्यप्रदेश मैं काफी देखने को मिल रहा है। वैसे देखा जाय तो उड़ीसा राज्य कि कुछ नदियाँ जैसे महानदी, ब्राम्हणी, वैतरणी, और सुवर्ण रेखा हर साल बाढ़ का कारण बनती रहती है। भारत में प्रमुख बाढ़ प्रवण क्षेत्र पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तर विहार, पश्चिमी बंगाल, ब्रम्हपुत्रघाटी, तटीय आंध्रप्रदेश, उड़ीसा, और दक्षिणी गुजरात सहित गंगा का अधिकांश मैदानी क्षेत्र आता है। उत्तराखण्ड और हिमाचल प्रदेश में बादल फटने के कारण व्यापक तबाही हुई है। उत्तर काशी, रुद्रप्रयाग जिलों मैं बादल फटने से कारण बहुत तबाही हुई। जिसके कारण सड़के, पुल और बहुत घरों को नुकसान हुआ। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में बादल फटने से व्यापक क्षति हुई जिसमें सड़के, विजली और पानी कि आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई। उत्तराखण्ड के थराली क्षेत्र में बादल फटने और भारी बारिश से भूस्खलन और भयंकर बाढ़ आई। धराली, बगोरी, झाला, जसपुर, मुखबी, पुराली, और सुखी जैसे गांवों का संपर्क टूट गया है। वहाँ के निवासियों के लिए आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

प्रधानाध्यापक महेंद्र कुमार राय की सेवासम्पूर्ति सम्मान समारोह संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बृहन्मुंबई महानगर पालिका शिक्षण विभाग द्वारा संचालित टाटा कंपाउंड बीएमसी शाला सभागृह में आज प्रधानाध्यापक महेंद्र कुमार चंद्रभूषण राय की सेवा सम्पूर्ति सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व उप शिक्षणाधिकारी अशोक मिश्रा ने किया। प्रमुख अतिथि के रूप में शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष केपी सिंह चौहान तथा पूर्व कनिष्ठ पर्यवेक्षक दुर्गा प्रसाद मिश्र उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में भवन निमार्ता अशोक कुमार पाठक तथा शिक्षक नेता नरेंद्र सिंह उपस्थित रहे। महापौर पुरस्कृत शिक्षक अशरफ नदाफ, पंडित श्याम नारायण मिश्र, साहबलाल त्रिगुणायत, प्रधानाध्यापिका आशा कहार, सुरेश सिंह, नरेंद्र सिंह तथा शिव शंकर राय ने शुभेच्छा वक्तव्य दिया। मानपत्र का वाचन निशा पाल ने किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कमलेश दत्त, पूनम यादव, शैला रॉड्रिक्स, रामअलम राय, मिथिलेश शर्मा, बिंदु सिंह, रविंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह, शिवशंकर पाठक, उदयभान सिंह, गिरीश मिश्रा आदि का सुंदर सहकार्य रहा। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने महेंद्र कुमार राय के साथ उनकी शिक्षिका धर्मपत्नी कुसुम राय का भी सम्मान किया।

क्रोमा के फेस्टिव टेक ऑफर्स गणेश चतुर्थी पर 60प्रतिशत तक की बड़ी बचत

मुंबई। टाटा परिवार का एक सदस्य और भारत के अग्रणी ओम्नी-चैनल इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर, क्रोमा ने इस अगस्त गणेश चतुर्थी के उपलक्ष्य में लाए हैं विशेष ऑफर्स। ये ऑफर्स 22 से 29 अगस्त तक महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु और गोवा में चलाए जा रहे हैं। स्टोर में और croma.com पर भी इन ऑफर का लाभ उठाया जा सकता है। इंस्टेंट बैंक कार्ड डिस्काउंट उपभोक्ताओं के लिए बचत को और भी बेहतर बनाते हैं। आने वाले त्योहारों को मद्देनजर रखते हुए, क्रोमा ने पार्टी ऑडियो से लेकर रोजमर्रा की रसोई की जरूरतों तक, कई श्रेणियों में रोमांचक ऑफर्स प्रस्तुत किए हैं। रियलमी TWS , माइक के साथ पार्टी स्पीकर, और क्रोमा के 200ह पार्टी स्पीकर वायरलेस UHF माइक के साथ खरीद सकते हैं। सोनी, JBL और मार्शल के प्रीमियम हेडफोन पर विशेष कीमतें उपभोक्ताओं के उत्साह को और बढ़ा देंगी। अग्रणी वैल्यू 5G स्मार्टफोन पर उपभोक्ताओं को आकर्षक ऑफर भी मिलेंगे। उपभोक्ताओं की खरीदारी को और अधिक किफायती बनाने के लिए, क्रोमा उपभोक्ताओं द्वारा सबसे ज्यादा चुने जाने वाले टेन्योर में आसान ईएमआई सुविधा दे रहा है। उपभोक्ता उत्पादों की टॉप कैटेगरीज पर एक्सचेंज बोनस का भी लाभ उठा सकते हैं। बिल का मूल्य जितना ज्यादा होगा, बैंक बचत और भी बढ़ जाएगी।

महाराष्ट्र के जलगांव में सरेआम पीटे गए व्यक्ति की मौत पर एनएचआरसी ने स्वतः संज्ञान लिया

मुंबई। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने शुक्रवार को उन रिपोर्ट के बाद महाराष्ट्र सरकार और राज्य पुलिस प्रमुख को नोटिस जारी किया, जिनमें कहा गया है कि जलगांव जिले के एक गांव में 21 वर्षीय एक युवक की कथित तौर पर सार्वजनिक रूप से पिटाई के बाद मृत्यु हो गई।

आयोग ने एक बयान में कहा कि मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पीड़ित एक कैफे में एक युवती के साथ बैठा था जो अलग समुदाय से थी, तभी 8-10 लोगों के एक समूह ने उसे घेर लिया और उसके मोबाइल फोन में एक तस्वीर देखकर उसकी पिटाई शुरू कर दी।

रिपोर्ट में कहा गया कि फिर आरोपियों ने युवक को उसके गांव की सड़कों पर घुमाया और फिर उसे बुरी से पिटने के बाद घायल अवस्था में उसके घर के पास छोड़ दिया। आयोग ने इस मीडिया रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लिया और नोटिस जारी किया है। बयान के अनुसार, आयोग ने मामले की गंभीरता को देखते हुए महाराष्ट्र के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

प्रफुल्ल लोढ़ा को बलात्कार के मामले में गिरफ्तार किया गया

पुणे। पुणे जिले के पिंपरी चिंचवड़ में शुक्रवार को 62 वर्षीय प्रफुल्ल लोढ़ा को बलात्कार के मामले में गिरफ्तार किया गया। यह मामला 23 वर्षीय एक महिला की शिकायत पर दर्ज किया गया था। पिछले महीने जलगांव निवासी लोढ़ा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था जिसके कथित तौर पर कुछ राजनीतिक नेताओं के साथ संबंध हैं। महिला ने मई में शिकायत दर्ज कराई थी। वह एक अन्य मामले में मुंबई की आर्थर रोड जेल में न्यायिक हिरासत में था, जब पिंपरी चिंचवाड़ में बावधन पुलिस ने उसे वर्तमान मामले में गिरफ्तार किया।

एक अधिकारी ने कहा, ह्यह्यहमने आरोपी लोढ़ा को गिरफ्तार किया है। उसे 25 अगस्त तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है ह्लह्ल महिला की शिकायत के अनुसार, लोढ़ा ने उसे पुणे के एक होटल में बुलाया और कहा कि वह उसके पति को नौकरी दिलवाएगा लेकिन इसके बदले उसने उससे यौन संबंध बनाने की मांग की। जब महिला ने इनकार किया, तो लोढ़ा ने उसे धमकी दी और कथित तौर पर बलात्कार किया।

जलसार में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट से घरों को हुए नुकसान का होगा सर्वेक्षण

ग्रामवासी सर्वेक्षण में सहयोग करें : जिलाधिकारी

पालघर(उत्तरशक्ति)। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के काम के दौरान एल एंड टी कंपनी द्वारा किए जा रहे विस्फोटों से मौजे-जलसार गांव के कई घरों में दरारें पड़कर नुकसान हुआ है, ऐसी शिकायत ग्रामवासियों ने की है। इस संबंध में ग्राम पंचायत जलसार द्वारा जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन के आधार पर जिलाधिकारी डॉ. इंदुरानी जाखड़ की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में विधायक विलास तरे, पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख, उपजिलाधिकारी तेजस चव्हाण, पालघर प्रांत अधिकारी श्याम मदनुरकर, जलसार ग्रामपंचायत के सरपंच-उपसरपंच, एल एंड टी कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी तथा ग्रामवासी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिलाधिकारी डॉ. जाखड़ ने निर्देश दिए कि सुरंगों के खुदाई कार्य के लिए विस्फोटक का उपयोग केवल ग्रामवासियों की उपस्थिति और महसूल विभाग के प्रतिनिधियों की देखरेख में ही किया जाये। साथ ही, घरों को हुए नुकसान का सर्वेक्षण रिहैब कंस्ट्रक्शन प्रा. लि. इस स्वतंत्र संस्था द्वारा किया जायेगा। सर्वेक्षण रिपोर्ट के आधार पर प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा सीधे एल एंड टी कंपनी द्वारा प्रदान किया जायेगा। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. इंदु रानी जाखड़ ने ग्रामवासियों से अपील की कि वे सर्वेक्षण प्रक्रिया में पूरा सहयोग करें।

एसी कोच के बाथरूम से मिला 8 साल की बच्ची का शव

मुंबई। एक हैरान करने वाली घटना में शनिवार को कुशीनगर एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 22537) के एसी कोच इ2 के बाथरूम में कूड़ेदान में 8 साल की एक बच्ची का शव मिला। घटना रात करीब 1 बजे सामने आई। यह ट्रेन, जो बाद में काशी एक्सप्रेस (15017) के नाम से रवाना हुई, मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस पर सफाई के दौरान सफाई कर्मचारियों को शव मिला। अधिकारियों को तुरंत रात 1:50 बजे सूचित किया गया और अधिकारी फिलहाल घटना की जाँच कर रहे हैं।राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने मामला दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों से मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बच्चे को गुजरात के सूरत से अगवा कर उसकी हत्या करने का संदेह है। कथित तौर पर अपराधियों ने शव को कोच के कूड़ेदान में फेंककर अपराध छिपाने की कोशिश की। पुलिस पीड़ित परिवार से संपर्क कर और जानकारी जुटाने और बच्चे की पहचान की पुष्टि करने की कोशिश कर रही है। मौत के सही कारण का पता लगाने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।अधिकारियों ने इस क्रूर अपराध के दोषियों का पता लगाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। फोरेंसिक टीमें और रेलवे सुरक्षाकर्मी भी जाँच में लगे हुए हैं, और आगे की जानकारी का इंतजार है। वहीं, मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 से शुक्रवार देर रात एक साल की बच्ची का अपहरण कर लिया गया, जब उसके माता-पिता और भाई-बहन सो रहे थे।

श्री एल. आर. तिवारी लॉ कॉलेज द्वारा वृद्धाश्रम में दान अभियान

भायंदर (उत्तरशक्ति)। श्री एल.आर. तिवारी लॉ कॉलेज के डीएलएलई विभाग ने विधिक सहायता समिति के सहयोग से राहुल एजुकेशन के प्रबंधन और आईक्यूएसी के तत्वावधान में स्प्रेडिंग ब्लिस नामक एनजीओ के सहयोग से उत्तन स्थित ऑरा वृद्धाश्रम में विधिक सहायता एवं दान अभियान का आयोजन किया। इस अवसर पर लॉ कॉलेज की प्राचार्या श्वेता चतुर्वेदी, प्रशासनिक प्रमुख प्रवीण पांडे, संकाय प्रोफेसर महेश काबरा, डॉ. अमिता दुबे, पूजा शिवहरे और मनीषा पाठक के अलावा पूर्व छात्र एडवोकेट संतोष साठे, एडवोकेट अभिषेक सिंह और एडवोकेट समीक्षा कासले सहित 20 छात्र उपस्थित रहे। वृद्धाश्रम के अध्यक्ष अमर केसरवानी तथा उपाध्यक्ष महेश वाघमारे द्वारा कॉलेज के मानवीय कार्यों की सराहना करते हुए कॉलेज को आभार पूर्वक सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।

सी.टी.ई.एस. स्कूल में आयोजित पर्यावरण पूरक गणेश मूर्ति निर्माण कार्यशाला संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। चिंचणी तारापूर शिक्षण संस्था संचालित सी. टी. ई. एस. इंग्लिश मीडियम स्कूल, एम.आई.डी.सी., बोईसर (जि. पालघर) में शुक्रवार को पर्यावरण पूरक गणेश मूर्ति निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में शाडू मिट्टी से गणेश मूर्तियाँ बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

इस अवसर पर कला शिक्षक विनय पाटील (केलवे) और कला शिक्षक प्रफुल घरत (पालघर) ने विद्यार्थियों को विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यशाला में कक्षा 8वीं से 10वीं तक के कुल 138 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने अपने हाथों से शाडू मिट्टी का उपयोग कर गणेश प्रतिमा तैयार की। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्रों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता निर्माण करना था। शाडू मिट्टी अथवा अन्य पर्यावरण पूरक सामग्री से मूर्ति बनाने से न केवल प्रदूषण कम होता है, बल्कि विद्यार्थियों में कला, एकाग्रता, श्रम और सृजनशीलता का भी विकास होता है। अपने हाथों से बनाई गई गणेश प्रतिमा श्रद्धा, आनंद और पर्यावरण संरक्षण का एक सुंदर संगम मानी जाती है। इसके जरिए विद्यार्थियों को यह सीख मिली कि पर्यावरण के साथ तालमेल बिठाकर भी परंपराओं को जीवित रखा जा सकता है। इस कार्यक्रम में मुंबई ग्राहक पंचायत बोईसर विभाग की अध्यक्षा माधवी वर्तक, कार्यवाह वैशाली पारवेकर, खजिनदार प्रा. संजय घरत, वर्षा जगदाले, स्नेहल वर्तक, रंजना म्हात्रे, विनोद वर्तक, शैलेश पारवेकर, राजेश वर्तक, विद्यालय की मुख्याध्यापिका रोहिणी नाईक, शिक्षक-शिक्षिकाएँ, संस्था के सी.ई.ओ. जनार्दन शिंदे, अनिल संखे तथा शिक्षक-पालक संघ के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

लक्ष्मण सकपाळ की पोलादपूर तालुका संपर्क प्रमुख पद पर नियुक्ति

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) की ओर से संगठनात्मक स्तर पर महत्वपूर्ण नियुक्तियाँ की जा रही हैं। इसी क्रम में पोलादपूर तालुका संपर्क प्रमुख जैसे महत्त्वपूर्ण पद पर लक्ष्मण सकपाळ की नियुक्ति की गई है। यह नियुक्ति पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे और युवासेना प्रमुख आदित्य ठाकरे के आदेशानुसार, पूर्व सांसद अनंत गीते की सिफारिश पर तथा दक्षिण रायगड जिला संपर्क प्रमुख नागेंद्र राठौड़ के सहयोग से संपन्न हुई है। इस अवसर पर शिवसेना पदाधिकारी अनंत पवार, ज्ञानेश्वर मोरे, गोविंद पवार, बाबुराव रिंगे, गणेश मोरे, दत्ताराम बांदल, कृष्णा ढेबे, पुंडलिक घाडगे आदि ने पुष्पगुच्छ देकर लक्ष्मण सकपाळ का अभिनंदन किया। लक्ष्मण सकपाळ, घाटकोपर के निवासी हैं, लेकिन उनका पोलादपूर तालुका के नागरिकों से गहरा और सक्रिय संपर्क है।

वे पार्टी द्वारा आयोजित विभिन्न आंदोलनों, उपक्रमों और चर्चा सत्रों में निरंतर सक्रिय भागीदारी निभाते आ रहे हैं। उनकी नियुक्ति की खबर मिलते ही तालुका और उपनगर में हर्षोल्लास का माहौल निर्माण हुआ है। कार्यकताओं में नई ऊर्जा और उत्साह संचारित हुआ है। पार्टी ने जो विश्वास मुझ पर जताया है, उस पर खरा उतरते हुए मैं अपनी ज़िम्मेदारी को ईमानदारी से निभाऊंगा और पार्टी को मजबूत करने के लिए दिन-रात कार्य करूंगा,₹ ऐसा संकल्प लक्ष्मण सकपाळ ने अपनी नियुक्ति के पश्चात व्यक्त किया।

यादव संघ मुंबई भिवंडी शाखा द्वारा रेजांगला रज कलश यात्रा का किया गया भव्य स्वागत व शहीदों को किया नमन

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के नासिक मुंबई महामार्ग पर सोनाले स्थित सत्यम पेट्रोल पम्प प्रांगण में अखिल भारतीय यादव महासभा द्वारा रेजांगला वीर शहीदों की भूमि से लाया गया कलश (मिट्टी) का अभिवादन व कलश यात्रा में शामिल लोगों का स्वागत कार्यक्रम यादव संघ मुंबई के भिवंडी शाखा द्वारा यादव संघ मुंबई के अध्यक्ष अजय यादव के नेतृत्व में समाज के लोगों ने किया। बतादें कि १९६२ में चीन द्वारा किये गये हमले के जवाब में १२० वीर सैनिकों ने चीनी फौजियों को करारा जवाब देते हुये चीनी फौजियों को वापस लौटने पर मजबूर कर फतह हासिल किये। उनकी इस विजय में ११४ यादव सैनिकों को देश के नाम बलिदान देना पड़ा था। उन वीर जवानों की बलिदान भूमि की मिट्टी कलश में रखकर अखिल भारतीय यादव महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सपन कुमार घोष के आदेशानुसार १३ अप्रैल को बिहार के छपरा जिले से झारखंड, बंगाल, उडीसा, छत्तीसगढ़, आसाम, त्रिपुरा, अगरतला, आन्ध्रप्रदेश, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना कर्नाटक होते हुये महाराष्ट्र में प्रवेश किया और आज दोपहर भिवंडी महामार्ग के सोनाले स्थित सत्यम पेट्रोल पंप पर स्वागत किया गया। इस कलश यात्रा के सह संयोजक किरन कुमार यादव, हनुमंत यादव, महेन्द्र कुमार यादव, बनवारीलाल यादव, अर्जुन यादव का समावेश है। कलश यात्रा नवी मुंबई से गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल आदि राज्यों से होते हुये १८ नवंबर को दिल्ली के जंतर मंतर पर समापन किया जायेगा। इस अवसर पर अखिल भारतीय यादव महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष स्व. सीताराम यादव जी को याद किया गया। उक्त कार्यक्रम में डा. एन एल यादव, डा. बृजेश यादव,डा. श्यामनारायन यादव, एडवोकेट राकेश यादव, राजेन्द्र यादव, विनोद यादव, पी डी यादव, विद्याचरन यादव, लल्लन यादव, वेदांत यादव, कन्हैया यादव, विनोद यादव, रामदेव यादव, चंद्रभान यादव, चंद्रिका यादव, अरविंद यादव, विजय यादव समेत असंख्य यादव समाज के लोगों ने पवित्र कलश पर पुष्प अर्पित कर शहीदों का नमन किया। कार्यक्रम का सूत्र संचालन आचार्य सूरजपाल यादव ने किया वहीं आये हुये सभी लोगों का आभार अजय यादव ने किया।

महाराष्ट्र प्रतिबंधित गुटखा के गोडाउन पर पुलिस का छापा, दस लाख पचास हजार का मुद्देमाल जब्त

तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड ईस्ट, काशीमीरा पुलिस थाने की अंतर्गत मुंशी कंपाउंड, कृष्णा स्थल के पास एमबी वीवी जोन 1 के डीसीपी राहुल चव्हाण आईपीएस के की टीम ने महाराष्ट्र प्रतिबंधित गुटखा के गोडाउन और एक मारुति इक्को वाहन गाड़ी में छापा मारकर विमल पान मसाला, राजनिवास पान मसाला, पावर गुटखा, शिखर गुटखा, और इक्को फॉर व्हीलर वाहन गाड़ी, टोटल दस लाख रुपए का मुद्दे माल जब्त किया है।

पुलिस ने महाराष्ट्र प्रतिबंधित गुटखा के गोडाउन के मालिक और इक्को फॉर व्हीलर गाड़ी के मालिक को वांटेड बताया है। डीसीपी राहुल चव्हाण के मीरा भायंदर शहर में आने से कानून व्यवस्था को लेकर जनता में एक नई उम्मीद जगी है। लेकिन सवाल है कि, क्या मीरा भायंदर शहर में महाराष्ट्र प्रतिबंधित गुटखा का माल कहा से आता था, और इस कारोबार में कौन-कौन शामिल है उन गुटखा होलसेल वाले व्यापारीयों पर नकेल कसना बेहद जरूरी है, देखा जाए तो मीरा भायंदर शहर के अंदर होलसेल व्यापारियों के द्वारा छोटा से बड़ा हर पान की दुकान पर गुटखा बिक्री

किया जाता है। और आपको शहर की हर दुकान पर गुटखा आसानी से मिल जाएगा। क्या यह सब पुलिस को मालूम नहीं है, लिहाजा अब आगे देखना है कि किस तरह गुटखा माफियाओं पर पुलिस कार्रवाई करती है या फिर इसी तरह शहर के अंदर पान मसाला के नाम पर जहर के कारोबार चलता रहेगा।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुद्रित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

खाने के लिए बुलाने पर हुए विवाद में एक की हुई हत्या, मौके से आरोपी फरार

गुड़िया राज

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना चंदवक क्षेत्र के डोभी में स्थित छोटी चिट्को राजभर बस्ती में बीती रात को एक पारिवारिक विवाद ने भयानक रूप ले लिया। रामदयाल राजभर ने अपने 34 वर्षीय भतीजे राजकुमार को लाठी से पीट-पीटकर हत्या कर दी।

घटना रात को हुई जब रामदयाल राजभर ने अपने भतीजे राजकुमार को खाना खाने के लिए बुलाया। राजकुमार अपने साथियों के साथ घर के बाहर बैठा था। चाचा के गुस्से में बुलाने पर भतीजे को यह बात नागवार लगी। दोनों के बीच कहासुनी शुरू हुई जो धीरे-धीरे मारपीट में बदल गई। इसी दौरान रामदयाल घर से लाठी लेकर आया और भतीजे के सिर पर वार कर दिया। सिर में गंभीर चोट लगने से राजकुमार की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी रामदयाल मौके से फरार हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी केराकत अजीत कुमार रजत और थानाध्यक्ष चंदवक सत्यप्रकाश सिंह मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने आरोपी की गिरफ्तारी की मांग करते हुए शव को पुलिस के हवाले करने से मना कर दिया। पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। समाचार लिखे जाने तक आरोपी की गिरफ्तारी अभी नहीं हुई है। पुलिस जगह जगह दबिश दे रही है।

जौनपुर के युवा अधिवक्ता आनन्द देव तिवारी युवा प्रकोष्ठ के बने प्रदेश महामंत्री

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। दीवानी न्यायालय के कर्मठ, जुझारू एवं समाजसेवा के लिए सदैव तत्पर युवा अधिवक्ता आनन्द देव तिवारी (बाबा तिवारी) को उत्तर प्रदेश की नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। संयुक्त अधिवक्ता महासंघ भारत ने उन्हें प्रदेश महामंत्री युवा प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश पद पर मनोनीत किया है। इसकी घोषणा महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट हरिनाथ पाठक एवं राष्ट्रीय वरिष्ठ महामंत्री श्री राजेंद्र सिंह बैस ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर की। संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, लगन और सक्रियता को देखते हुए यह जिम्मेदारी उन्हें प्रदान की गई है। यह प्रस्ताव प्रांतीय अध्यक्ष शर्तेंदु चतुर्वेदी एवं महेंद्र प्रसाद शर्मा द्वारा रखा गया। जिस पर प्रांतीय वरिष्ठ महामंत्री अनूप धर दुबे ने संस्तुति दी। प्रदेश महामंत्री मनोनीत होने पर अधिवक्ता समाज एवं जिले के शुभचिंतकों ने उन्हें हार्दिक बधाई दी और संगठन के फैसले की सराहना की। इस अवसर पर तिवारी ने कहा कि मैं संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा और समर्पण भाव से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करूंगा। अधिवक्ता भाइयों के हितों की रक्षा करते हुए संगठन को नई दिशा दूंगा और इसके विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान दूंगा। सभी पदाधिकारियों एवं शुभचिंतकों का हृदय से आभार। उनकी इस नियुक्ति से जिले के अधिवक्ताओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं में हर्ष की लहर व्याप्त है।

दोस्तों संग पार्टी कर रहे युवक की लोहे के रॉड और ईंट से मारकर हत्या

सुजानगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सुजानगंज थाना क्षेत्र के सराय पड़री गांव में शुक्रवार की रात एक युवक की निर्मम हत्या कर दी गई। जानकारी के अनुसार, स्वर्गीय भगेलू राम यादव का पुत्र मनोज यादव (27 वर्ष) अपने पम्पिंग सेट के पास दोस्तों के साथ पार्टी कर रहा था। मनोज के भांजे अमन यादव ने बताया कि पार्टी में गांव के कुछ लोग और सुजानगंज बाजार से आए युवक भी शामिल थे। देर रात उसी पार्टी के दौरान किसी बात को लेकर विवाद हुआ। जिसके बाद मनोज यादव पर लोहे की रॉड और ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया गया। हमले में उसका सिर कुचल गया और पर ही मौत हो गई। सुबह जब परिवार के लोग भैंस चराने के लिए पम्पिंग सेट की ओर गए, तो उन्होंने मनोज का खून से लथपथ शव देखा। सूचना मिलते ही सुजानगंज पुलिस मौके पर पहुँची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। पार्टी में शामिल कुछ लोगों को भी हिरासत में लिया गया है, अभी तक हत्या का कारण आपसी विवाद बताया जा रहा है।

काशी से गया जी के लिए चलेंगी स्पेशल बसें

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। आध्यात्मिक नगरी काशी से पितृपक्ष के समय जो लोग पिंडदान और तर्पण के लिए बिहार के गया जी जाना चाहते हैं, उनके लिए बड़ी खुशखबरी है। योगी सरकार काशी से गया जी तक के लिए विशेष बस सेवा शुरू कर रही है। इससे उनको लाभ होगा जो पितृपक्ष के दौरान पिंडदान और तर्पण के लिए गया जी जाना चाहते हैं। साथ ही अन्य यात्री भी बस से गया जी जा सकेंगे। बस में यात्रियों की सहूलियत का भी पूरा ध्यान रखा गया है। बस हफ्ते में सातों दिन चलेगी। काशी से बस रात आठ बजे चलेगी। बस सुबह चार बजे बिहार के गया जी पहुंचेगी। बस में काशी से बिहार तक किराया 465 रुपये निर्धारित किया गया है। बता दें कि वाराणसी (कैंट) से बस चंदौली- सासाराम- औरंगाबाद- शेरघाटी होते हुए गया जी तक जाएगी। पितृपक्ष के समय में श्रद्धालु बस से आसानी से गया जी पहुंच सकेंगे। यही नहीं रूट के

जानें क्या होगा रूट और कितना होगा किराया

अन्य जो यात्री हैं वो भी इस बस सेवा का लाभ ले सकेंगे। लोगों की जो प्राइवेट वाहनों पर निर्भारता है वो इस बस के संचालित होने से कम होगी, इससे लोगों का समय और खर्च बचेगा। पृत पक्ष के समय में गया जी जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बहुत बड़ी होती है। ऐसे श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए ही परिवहन निगम ने मंथन किया, अगर सब कुछ सही रहा तो नियमित रुप से इस बस का संचालन करने को लेकर विचार किया जाएगा। योगी सरकार टूरिज्म को बढ़ावा देने की कोशिश कर रही है। साथ ही लोगों और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा देने की कोशिश भी कर रही है। बताते चलें कि उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की ओर से लखनऊ से बिहार के मुजफ्फरपुर के लिए भी सीधी अंतरराज्यीय बस सेवा शुरू की गई है। इस बस का किराया 862 रुपये निर्धारित है, ये बस रात के दो बजे लखनऊ के आलमबाग बस टर्मिनल से चलेगी और अगले दिन सुबह चार बजे मुजफ्फरपुर पहुंचेगी।

गांव की गलियां अंधेरे में, सोलर लाइटें वर्षों से खराब

महराजगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ब्लाक महराजगंज के कई गांवों में ग्राम पंचायतों द्वारा गांव की गलियों व सड़कों को रोशन करने के लिए सोलर लाइटें तो लगवाई गई थीं। लेकिन रखरखाव न होने के कारण अब अधिकांश लाइटें वर्षों से खराब पड़ी हैं। गद्दोपुर ग्राम पंचायत इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। ग्रामीणों के मुताबिक करीब सात वर्ष पहले तत्कालीन प्रधान शिवप्रसाद गौतम ने गद्दोपुर गांव में 10 सोलर लाइटें लगवाई थीं। इनमें से छह लाइटें लंबे समय से खराब होकर बंद हैं। ग्रामीण बताते हैं कि वर्तमान प्रधान राममिलन यादव से कई बार मरम्मत की मांग की गई। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने इस समस्या की शिकायत संबंधित अधिकारियों से भी की, मगर आज तक समाधान नहीं हो सका। गांव के अभिषेक यादव, चंदन, राजेश, रमेश सहित कई ग्रामीणों ने बीडीओ महराजगंज दिनेश कुमार मौर्य से मांग की है कि खराब पड़ी सोलर लाइटों की शीघ्र मरम्मत कराई जाए, ताकि गांव की गलियां एक बार फिर उजाले से जगमगा सकें।

आजमगढ़ में एक लाख का इनामिया अपराधी शंकर कनौजिया पुलिस एनकाउंटर में ढेर

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। जिले में एक लाख का इनामी बदमाश शंकर कनौजिया एनकाउंटर में ढेर हो गया है। यूपी एसटीएफ के साथ हुई मुठभेड़ में शंकर कनौजिया मारा गया है। शंकर कनौजिया के साथ हथियार भी बरामद किए गए हैं। जानकारी के अनुसार, यूपी एसटीएफ ने मुठभेड़ में इनामी शंकर कन्नौजिया को मुठभेड़ में ढेर कर दिया है। शंकर पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया हुआ था। आजमगढ़ में हुई इस मुठभेड़ में अपराधी के पास से एक कार्बाइन, एक पिस्टल और कारतूस बरामद किए गए। यूपी एसटीएफ ने बताया कि यह अपराधी 2011 से फरार था। इसके बाद वह लूट और अपहरण जैसे अपराधों को अंजाम देता रहा। जानकारी के अनुसार, आजमगढ़ के जहानागंज थाना इलाके में शनिवार को यूपी एसटीएफ और बदमाश में मुठभेड़ हो गई। पुलिस पर फायर कर भाग रहा एक लाख का इनामी बदमाश शंकर कनौजिया गोली से ढेर हो गया। उक्त आरोपी रौनापार थाना इलाके के हाजीपुर गांव का निवासी था। जान से मारकर पिकअप लूटने के मामले में फरार चल रहे आजमगढ़ रौनापार थाना क्षेत्र के हाजीपुर गांव का निवासी शंकर कन्नौजिया वाराणसी जोन के एडीजी पीयूष मोर्डिया ने एक लाख का इनाम घोषित किया है।

जनपद में स्थापित अस्थायी/ स्थायी गो-आश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंश के भरण-पोषण की हुई समीक्षा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश गो-सेवा आयोग महेश कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में तथा जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की उपस्थिति में जनपद मे स्थापित अस्थायी/ स्थायी गो-आश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंश के भरण-पोषण, संचालन तथा प्रबन्धन एवं अनुश्रवण की समीक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में उपाध्यक्ष द्वारा जनपद में स्थापित गो-आश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंश हेतु नेपियर घास रोपण, हरा चारा बुवाई की प्रगति, गोवंशों को मानक के अनुसार भूसा, चोकर एवं दाना इत्यादि खिलाए जाने के समय सारिणी, डाइट चार्ट, जनपद में संचालित अस्थायी,स्थायी गो-आश्रय स्थलों में वर्मी कंपोस्ट के निर्माण की प्रगति, बरसात के मौसम के दृष्टिगत गो-शालाओं में जल भराव, पानी के निकास की व्यवस्था, निराश्रित गोवंशों के संरक्षण सहित अन्य बिन्दुओं की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि गौशालाओं में चारा, भूसा, चोकर पर्याप्त मात्रा में होना चाहिए। छोटे गोवंश/बछड़े को अलग रखा जाए। पशुचिकित्सा अधिकारियों को गोवंशों के नियमित चिकित्सकीय जांच के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि गो-आश्रय स्थलों में जल भराव की समस्या नहीं होनी चाहिए। पानी निकासी की व्यवस्था अवश्य होनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने जिला प्रशासन तथा जिलाधिकारी की सराहना करते हुए कहा कि नैपियर घास की बोआई गोवंशों हेतु पौष्टिक आहार की दिशा में सार्थक और अच्छा पहल है। इससे गोवंश स्वस्थ रहेंगे। इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट, परियोजना निदेशक के.के. पांडेय, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डा0 ओपी श्रीवास्तव, पशु चिकित्सा अधिकारीगण, समस्त खंड विकास अधिकारी सहित अन्य अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

राजकीय आईटीआई सिद्दीकपुर में रोजगार मेला का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। निदेशक, सेवायोजन उ०प्र०, लखनऊ एवं जिलाधिकारी के निर्देश के कम में जिला सेवायोजन कार्यालय जौनपुर के तत्वाधान में 25 अगस्त 2025 को प्रातः 10:00 बजे राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सिद्दीकपुर कैम्पस जौनपुर में रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। जिसमें निजी क्षेत्र की ब्राइट फ्यूचर आग्रेनिक हर्बल आयुर्वेदिक, हिमानी सर्विस प्रा०लि०, आकटिक इडिस्ट्रंज, विनस इण्टरप्राइजेज, जे०बी० इडिस्ट्रंज इत्यादि कम्पनियों द्वारा ब्लाक ऑफिसर, आफिस मैनेजमेंट, कम्पयूटर आपरेटर, सुपरवाईजर हेतु योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाना है, जिसकी शैक्षिक योग्यताः-हाईस्कूल, इण्टर, आई०टी०आई० एवं स्नातक उत्तीर्ण आयुसीमा 18 से 35 वर्ष के अभ्यर्थियों को कैम्पस सलेक्शन करेंगी। जिसमें अभ्यर्थी अपने योग्यतानुसार प्रतिभाग करते हुए, पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार प्राप्त करें। जिला सेवायोजन अधिकारी जय प्रकाश पासवान ने बताया की रोजगार मेला में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षिक अभिलेखों की छायाप्रति आई०डी०प्रूफ बायोडाटा सहित प्रतिभाग करेंगे एवं सेवायोजन वेब पोर्टल-https://rojgaarsangam.up.gov.in के माध्यम से पंजीकरण कर अभ्यर्थियों को अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने की अपील की है।

मातापुर कॉलोनी की सड़क धंसी, आवागमन बाधित होने से लोगों की बढ़ी परेशानी

◆ नगर पालिका निर्माण व्यवस्था की खुली पोल

गार्गी यादव

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर पालिका परिक्षेत्र के अंतर्गत मतापुर के कलावती कुंज कॉलोनी में जाने वाली इंटरलॉकिंग सड़क पूरी तरह से धंस गई। जिससे आवागमन बाधित हो गया, लोग परेशान हैं और इंटरलॉकिंग निर्माण व्यवस्था की पोल खुल गई। बता दें कि सीएमओ कार्यालय के पीछे मतापुर के कलावती कुंज कॉलोनी से होकर जाने वाली इंटरलॉकिंग सड़क अचानक पूरी तरह धंस गई, जिससे बड़े-बड़े गड्ढे हो गए और कॉलोनी के लोगों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ा रहा है। स्थानीय लोगों को कहना है कि

अमृत जल योजना के तहत सिविल लाइन का काम हुआ था जिसमें उसे दुरुस्त नहीं किया गया था जिसके चलते यह इंटरलॉकिंग सड़क पूरी तरह गली में धस गई और धसने के बाद गली बदबू भी करने लगी है और आवागमन जोखिम भरा है इस बारे में जिला प्रशासन और नगर पालिका को भी जानकारी दी गई लेकिन सड़क के मरम्मत की कोई कार्रवाई नहीं की गई अब कॉलोनी का कहना है कि अगर तत्काल इस इंटरलॉकिंग सड़क का निर्माण नहीं हुआ तो हम लोग आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इसके अलावा आसपास की अन्य गलियों की भी सड़के क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

वाराणसी की सिगरा पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में रेलवे की पटरी के किनारे से भागते समय जवाबी कार्रवाई में बदमाश हुआ घायल,रानू नामक स्नैचर के रूप में बदमाश की हुई पहचान, घायल अवस्था में बदमाश को ले जाया गया अस्पताल बदमाश के पास से लूट की सोने की चेन हुई बरामद 19 अगस्त को कैट रेलवे स्टेशन के पास महिला से की थी स्नैचिंग थाना प्रभारी सिगरा संजय मिश्रा सहित क्राइम टीम मौके पर मौजूद।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में थाना बक्सा में समाधान दिवस का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में थाना बक्सा में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। फरियादियों की शिकायतों को सुनते हुए जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने थाना दिवस के अवसर पर कानूनगों एवं लेखपालों को निर्देश दिया कि राजस्व से सम्बन्धित मामले जिसका त्वरित निस्तारण किया जा सके उसको तत्काल करा दिया जाए। जिलाधिकारी ने निर्देशित दिया कि थाना समाधान दिवस पर प्राप्त शिकायती प्रार्थना-पत्रों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण जल्द से जल्द किया जाये। इस दौरान जिलाधिकारी ने थाना परिसर में स्थित मंदिर में पूजा अर्चना भी किया। इस अवसर पर चौकी प्रभारी सकलदीप सिंह, एसआई बृजेश कुमार मिश्रा सहित लेखपाल एवं कानूनगो सहित अन्य उपस्थित रहे।

जमीन पर दबंगों द्वारा जबरदस्ती कब्जा किए जाने का आरोप

मड़ियांहू के दिलावरपुर बाजार का मामला, दोनों पक्षों में तनाव बिगड़ सकता है मामला

◆ पीड़ित ने मुख्यमंत्री, कमिश्नर वाराणसी से लगाई मदद की गुहार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मड़ियांहू तहसील के अंतर्गत दिलावरपुर बाजार में दबंगों द्वारा जबरदस्ती जमीन कब्जा किए जाने का आरोप लगाया है। न्यायालय से पीड़ित के पक्ष में फैसला आने के बाद भी प्रशासन कोई मदद नहीं कर रहा है। पुलिस प्रशासन की सह पर पीड़ित ने कब्जा करने का आरोप लगाया है।

जानकारी के अनुसार मडियाहु क्षेत्र के मौजा दिलावरपुर बाजार के पास मडियाहू निवासी पीड़ित अजीत सिंह ने मुख्यमंत्री, कमिश्नर वाराणसी, जिलाधिकारी, एसडीएम सबसे मदद की गुहार लगा रहे हैं, लेकिन कोई कोई सुनवाई नहीं हो रही। बता दें कि अजीत गाटा संख्या 1712/3 एव? 1707/1 दिलावरपुर बाजार से सटा हुआ है और कीमती जमीन होने के नाते उसे पर भू-माफियाओ और दबंगो की नजर थी। हालांकि उस जमीन पर मुकदमा न्यायालय मे चला चल रहा था अजीत सिंह को उस जमीन पर न्यायालय से डिग्री भी मिली है, लेकिन भू-माफियाओं ने साजिशन राजस्व विभाग से मिलकर जमीन को कब्जा कर रहे हैं। आठ अगस्त से निर्माण कार्य चल रहा है मौके पर पुलिस सहयोग कर रही है। पीड़ित अजीत सिंह जगह-जगह मदद के लिए गुहार लगा रहे हैं। वहां पीड़ित के परिजन काम रोकने के लिए जाते है तो दबंग डरा धमका कर भगा देते हैं। दोनो पक्षों में नोक झोक होता है। अजीत सिंह का कहना है कि हमें न्याय नहीं मिला और दबंगो से मेरी जमीन मुक्त नहीं कराई गई तो या तो मुख्यमंत्री कार्यालय या तो जिलाधिकारी जौनपुर कार्यालय के सामने अनशन पर बैठने पर मजबूर हो जाऊंगा। आसपास लोगों कहना है की जमीन को लेकर रोज तनाव बना रहता है। दबंगो द्वारा अगल-बगल की कुछ लोगों को भी जमीन कब्जा की जा रही है लेकिन प्रशासन मूक दर्शक बना हुआ है।

जर्जर मकान की ईट गिरी, मीरघाट का रास्ता बंद

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के दशाश्वमेध थानांतर्गत मीरघाट तिराहा स्थित अति प्राचीन जर्जर मकान का शुक्रवार की दोपहर हुई बारिश में ईंट गिरने से कौतूहल मच गया। मकान गिरने की आशंका वश वहाँ विश्वनाथ मन्दिर सुरक्षा मे पॉइंट पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने किसी अनहोनी की आशंकावश मीरघाट जाने वाले मार्ग को बंद कर दिया। बताया जाता है कि डी 5/130 उक्त जर्जर मकान अरुण शर्मा का है, जिसमें शिवाला भी है। कई दशक पूर्व अरुण शर्मा मकान में ताला चढ़ाकर परिवार समेत हरियाणा शिफ्ट हो गए है। साल-दो साल में देखभाल करने कोई न कोई आता रहता है। साथ ही मकान की देखभाल की जिम्मेदारी सामने तेलवाली कोठी स्थित आरकेबीके वालों की भी है। शुक्रवार को बंद मकान से एक-दो ईंटे गिरी तो सामने चाय लगाने वाले मोनू यादव ने इसकी सूचना वहीं पॉइंट पर तैनात सुरक्षाकर्मियों को दी। एतियातन कंट्रोल रूम को सूचना देकर सुरक्षाकर्मियों ने फिलहाल मीरघाट जाने वाले मार्ग को बंद कर दिया। मुहल्ले वालों को फिलहाल आवाजाही के लिए डेढ़ मल गलि वाला मार्ग अपनाने को कहा गया है। हालांकि, गेट नंबर दो जाने वाला मार्ग पूर्ववत चालू है।

किसानों की उन्नति से ही होगी देश की प्रगति: विधायक

कृषि की आधुनिक तकनीकी का प्रयोग कर कृषक भाई हो सकते है समृद्धिः जिलाधिकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कृषि विभाग द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र बक्शा परिसर में कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम के तहत जनपद स्तरीय खरीफ गोष्ठी एवं तिलहन मेला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि विधायक बदलापुर रमेश चन्द्र मिश्र, जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र ने फीता काटकर गोष्ठी का उदघाटन किया तथा विभागीय स्टालों का निरीक्षण किया। मुख्य अतिथि विधायक बदलापुर रमेश चन्द्र मिश्र ने किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि कृषि हमारे देश की संस्कृति एवं किसान राष्ट्र की आत्मा है। आज भी देश की एक बहुत बड़ी आबादी कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों पर निर्भर है इसलिए देश के सम्पूर्ण विकास के लिए किसानों की आमदनी बढ़ाना जरूरी है किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए सरकार कई योजनाएं संचालित कर रही है। किसानों को वैज्ञानिक तकनीकी से खेती करने के लिए किसान मेला/गोष्ठी/प्रदर्शनी लगाकर उन्हें जागरूक किया जा रहा है ताकि किसान कम लागत में अधिक लाभ ले सके, उन्होंने कहा कि किसानों की उन्नति से ही देश की प्रगति सम्भव है। जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र ने कहा कि कृषि की आधुनिक तकनीकियो से खेती कर-के अपनी समृद्धि कर सकते है, खेती को लाभकारी बनाने के लिए सरकार किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, फसलबीमा, यंत्रीकरण आदि योजनाओं के माध्यम से सहयोग कर रही है। उन्होंने बताया कि किसान नेपियर घास जरूर लगाए जिससे पशुओं का स्वास्थ्य बेहतर होगा और दुग्ध उत्पादन भी बढ़ेगा। उप कृषि निदेशक हिमांशु पांडेय ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए योजनाओ की विस्तार से जानकारी दिया। वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डा. सुरेश कन्नौजिया, डा.राजीव सिंह, डा. रत्नाकर पांडेय, डा. प्रगति यादव द्वारा खरीफ फसलों की बेहतर उत्पादन वाली तकनीकियों, प्राकृतिक खेती एवं श्री अन्न के उत्पादन, मूल्य सम्बर्धन, विपणन की जानकारी दिया। कृषि के क्षेत्र में तिलहन की खेती करने वाली कंचन, शालिनी, सरोज सिंह सहित अन्य को उत्कृष्ट कार्य करने वाले को प्रमाण-पत्र देकर सम्मनित किया गया। कार्यक्रम का संचालन उप परियोजना निदेशक आत्मा डा. रमेश चंद्र यादव ने किया। इस मौके पर जिला कृषि अधिकारी विनय सिंह, भूमि संरक्षण अधिकारी द्वितीय अमरजीत सिंह,कृषि रक्षा अधिकारी विवेक कुमार, डा.अनिल यादव, दुर्गा मौर्या, सरोज सिंह, कमला सिंह, प्रमोद उपाध्याय सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

पुश्तैनी चौराहे का नाम बदलने के साथ ही जबरन अकेली महिला की जमीन हड़पने का लगा जिले के एक जनप्रतिनिधि पर आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महराजगंज विश्व हिंदू परिषद दुर्गा वाहिनी महाराजगंज की प्रखंड संयोजक आराध्या सिंह ने विधायक बदलापुर रमेश मिश्रा और उनकी टीम पर गंभीर आरोप लगाया है।

महाराजगंज निवासी आराध्या सिंह ने इसकी शिकायत सीएम योगी आदित्यनाथ से भी की है। आराध्या सिंह ने आरोप लगाया कि उसकी निजी जमीन पर अतिक्रमण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उनकी निजी जमीन महाराजगंज ब्लॉक अंतर्गत लोहिंदा चौराहे पर है। जिसमें मकान बनाकर प्रार्थनी रह रही है। 20 अगस्त 2025 को कुछ लोग आराध्या के मकान के पास सीढ़ी के सामने गड्ढा खोदने लगे। पूछने पर बताया कि यहां वह स्वर्गीय राय अंबिका सिंह का गेट लगने वाला। आराध्या सिंह का कहना है कि यह पूरा चौराहा हमारे पिताजी के नाना स्व. शंभू नारायण सिंह व स्व. मनमोहन सिंह का है। राय अंबिका सिंह का चौराहा पड़री चौराहा है, लेकिन आराध्या के पिता के न रहने और अपने माता-पिता की अकेली संतान होने के कारण क्षेत्र के दबंग एवं राजनीति रसूक रखने वाले लोग मिलकर प्रशासन के सहयोग से आराध्या सिंह की जमीन पर जबरदस्ती अतिक्रमण व कब्जा कर रहे हैं।

आराध्या सिंह ने आरोप लगाया कि उनके ऊपर मानसिक दबाव देकर धमकी दे रहे हैं कि हम लोग तुम्हारी जमीन कब्जा कर लेंगे। तुम अकेली क्या कर सकती हो? आराध्या सिंह का कहना है कि इन लोगों की वजह से घर से निकलना मुश्किल हो गया है।

स्थानीय जनप्रतिनिधि का नाम लेकर कुछ बदमाश किस्म के लोग आराध्या सिंह को बराबर प्रताड़ित कर रहे हैं जिससे आराध्या सिंह पुत्री स्वर्गीय त्रिपुरारी सिंह का जीना दुश्वार हो गया। आराध्या ने सीएम योगी आदित्यनाथ से गुहार लगाई है कि विकट परिस्थितियों को देखते हुए जमीन का अतिक्रमण रुकवाने का कष्ट करें।

नोबल हॉस्पिटल & रिसर्च सेन्टर
نوبل ہاسپیٹل اینڈ ریسرچ سنٹر
डा. शारिक नदीम
M.B.B.S., MD
FICC (Cardiology)
फिजिशियन, हृदय एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ
डा. अभिजीत कुमार
M.B.B.S., M.I.M.A
जनरल फिजिशियन
डा0 इरफान अहमद
B.U.M.S.CCH (Indore)
N.D.E.P.C.
Helpline- 6307493268
◆ शुगर की जाँच
◆ HbA1c की जाँच
◆ हड्डी की जाँच (BMD)
◆ नस की जाँच (Neuropathy)
◆ फेफड़ों की जाँच (Spirometry)
◆ यूरिक एसिड
◆ कोलेस्ट्राल की जाँच
◆ थायराइड की जाँच
आजमगढ़ रोड, निकट- सेण्ट पैट्रिक स्कूल, पचहटियाँ, जौनपुर- 222001

श्री राम सेवा समिति द्वारा कृष्ण भगवान के छठी का हुआ कार्यक्रम

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज स्थानीय शहर के एक प्रमुख सांस्कृतिक संस्थान, श्रीराम सेवा समिति के बैनर तले ब्रह्माकुमारी ऐश्वर्या विश्वविद्यालय के बच्चों ने भगवान कृष्ण छठी पर नृत्य गान का मंचन किया। भगवान भोले भोले के भजन का भी गायन काफी मधुर स्वर में सुंदर प्रस्तुत हुई। भगवान कला केंद्र इस साल अपने प्रतिष्ठित नृत्य-नाटक कृष्ण का 49 वां संस्करण प्रस्तुत किया गया। महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल ने कहा बाल कृष्ण एक ऐसा नृत्य नाटक है जो भगवान श्रीकृष्ण के जन्म से लेकर महाभारत में अर्जुन को दिए गए गीता उपदेश तक की झलकियों को सुंदरता से मंच पर उतारता है।श्रीकृष्ण का जीवन केवल पौराणिक कथा नहीं, बल्कि एक जीवन-दर्शन है। जिसमें प्रेम, साहस और बुद्धि का गहरा संदेश छिपा है। हम इसे पूरी कलात्मकता और भावनात्मकता के साथ दर्शकों तक पहुँचाने का प्रयास कलाकारों द्वारा होता है। ब्रह्म कुमारी टीम की बहन, शोभा की टीम ने प्रस्तुति में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले किशोर कलाकारों ने दर्शक व श्रोताओं के मन को मंत्रमुग्ध कर दिए। आयोजक व कलाकारों ने दर्शकों के वह -वही की खूब तालियां बटोरी।

आदेश मिश्र बने मानवाधिकार संरक्षण संगठन, मुंबई जिला के मीडिया प्रभारी

मुंबई। मानवाधिकार संरक्षण संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित कुमार द्विवेदी ने पत्रकार एवं विशेष कार्यकारी अधिकारी महाराष्ट्र शासन आदेश कुमार डी. मिश्र को संगठन के मुंबई जिला का मीडिया प्रभारी नियुक्त किया है।श्री मिश्र की नियुक्ति पर संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। सभी ने विश्वास जताया है कि उनके नेतृत्व में संगठन की गतिविधियाँ और उद्देश्यों का प्रभावी प्रचार-प्रसार होगा तथा मानवाधिकार जागरूकता को जन-जन तक पहुँचाने में नई गति और ऊर्जा मिलेगी। इस अवसर पर श्री रामलीला उत्सव समिति के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ला, रामविलास पाठक, श्रीप्रकाश पांडेय,दिवाकर मिश्र,एड डी आर मिश्र, राजकुमार तिवारी, बाबूलनाथ तिवारी, अनिल सिंह, सर्वदेव पांडेय, दलजीत पांडेय, हरीश पांडेय, मनिकेश तिवारी, दीनानाथ सिंह, देवेंद्र प्रताप सिंह,चंद्रेश दुबे, एड पंकज मिश्रा, संतोष पाठक, विमलेश मिश्रा, बृजेश शुक्ला, दिनेश सिंह, अरविंद शुक्ला, राजन सिंह, सुनील आर. सिंह,चंद्रमणि सिंह, मनोज मिश्रा,अनिल आर. सिंह, आशीष तिवारी, मनमोहन ओझा, अखिलेश सिंह,सुभाष राजभर, सचिन शुक्ला, मोहन श्रीवास्तव, शुभम सिंह, राजेश सिंह, अवधेश तिवारी, ब्रह्मदेव दुबे,रामतीरथ शर्मा, मदन सिंह राजपुरोहित, प्रवीण व्यास, रमेश राजभर, प्रेम तिवारी, राकेश दुबे, भुकेश यादव,अनीस खान,अशोक गुप्ता,अभिषेक विश्वकर्मा,राकेश पाल, सहित अनेक शुभचिंतकों ने श्री मिश्र के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की है।

स्वास्थ्य कैंप के माध्यम से लोगों का किया गया उपचार

लोहार्गल। मेला कैंप में कुल 1657 परिक्रमार्थी एवं स्थानीय लोग लाभान्वित हुए। जिनमें,दर्द, पीड़ा,जुकाम खांसी व स्किन एलर्जी के रोगी अधिक देखें गए। जिनको आयुर्वेदिक उपचार दिया गया वहीं एलोपैथ से 367 लोगों को प्राथमिक उपचार कर दवा दी गई। शिविर प्रभारी डॉ.राजेंद्र कुमावत ने जानकारी देते हुए बताया कि लोहार्गल कुंड के राह पर बने आयुर्वेद औषधालय में आयुर्वेदिक व एलोपैथिक दोनों सुविधाएं एक ही छत की नीचे संचालित रही तथा डॉ. मुकुल राठ, डॉ.अनिल कुमार,डॉ रमेश डॉ.अशोक कुमार सैनी,कंपाउडर राजकुमार,कृष्ण कुमार,सीएचओ मनफूल गुजर,मोनिका कुमारी, कमलेश,रणजीत,प्रियंका कुमारी, संदीप कुमार,एएनएम शोभना सैनी, शारदा,सुनीता व परिचारक दिनेश सिंह ने ड्यूटी शिफ्ट बार दी।

मौनिया बाबा मेला में प्रत्येक नियंत्रण कक्ष पर लगा स्वास्थ्य शिविर

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंजः मौनिया बाबा मेला के प्रत्येक नियंत्रण कक्ष के पास मेडिकल स्वास्थ्य शिविर लगाया गया था। मेला झंडा अखाड़ा में किसी को महावीरी जयकारे की भीड़ में अचानक किसी को हल्की-फुल्की चोट लग जाने पर तत्काल फर्स्ट एड की व्यवस्था हो जय इसके लिए प्रत्येक मेला नियंत्रण कक्ष के पास चिकित्सकीय कार्य के लिए स्वास्थ्य कर्मियों की टीम लगाई गई थी। अलावा इसके किसी को गंभीर चोट की स्थिति में अनुमंडल अस्पताल या पीएचसी में इलाज की व्यवस्था की गई थी। शुक्रवार की रात जुलूस अखाड़े में विभिन्न अखाड़ों में लगभग एक दर्जन लोग जख्मी हुए थे। जिन्हें प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें छोड़ दिया गया।

संत शिरोमणि मौनिया बाबा के दर्शन हेतु लगा भक्तों का तांता

वकील प्रसाद

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडल मुख्यालय के संत शिरोमणि श्री मौनिया बाबा स्थान पर दर्शन को ले भक्तों का तांता लगा हुआ है। सड़कों पर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी है। हर सड़क बाबा के दरबार की ओर चल रही है। पूरा क्षेत्र संत शिरोमणी के जयकारे से गूंज रहा है। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि भक्तों की सेवा में स्वयंसेवक तत्पर हैं। भक्त कतारबद्ध होकर दर्शन कर रहे हैं। समिति की ओर से हरसंभव भक्तों की सहायता की जा रही है।

राजस्व वसूली और राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में अपर जिला अधिकारी (वि./रा.) राम अक्षयवर चौहान की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में कर-करेत्तर, राजस्व वसूली और राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में अपर जिलाधिकारी ने विद्युत देय, खनन, आबकारी, परिवहन विभाग, नगर निकाय, स्टाम्प ड्यूटी, बाट-माप, जी0एस0टी0 सहित अन्य विभागों की राजस्व वसूली की समीक्षा किया और कम वसूली वाले विभाग को सुधार लाने के निर्देश दिए। विद्युत विभाग की लक्ष्य के सापेक्ष मासिक प्राप्ति 59 प्रतिशत और राज्य कर विभाग की मासिक प्रति 58 प्रतिशत है जो कि लक्ष्य से अत्यंत कम है जिस पर उन्होंने लक्ष्य के सापेक्ष प्राप्ति के कड़े निर्देश दिया ।उन्होंने विस्तार से एंटी भू-माफिया जैसे कार्यों पर अब तक की प्रगति के संबंध में जानकारी ली। इस अवसर पर उप जिलाधिकारीगण, अधिशाषी अधिकारीगण सहित अन्य उपस्थित रहे।

भाजपा ने पंचायत चुनाव के लिए बैठक कर व्यूह रचना पर की चर्चा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी का जिले के सीहीपुर स्थित कार्यालय पर त्रिस्तरीय पंचायती चुनाव को लेकर जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह के अध्यक्षता में बैठक आयोजित किया गया सर्वप्रथम पार्टी के पुरोधा डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुभारम्भ की गई। तत्पश्चात सभी कार्यकर्ताओं के द्वारा वंदे मातरम का गीत गाया गया पार्टी के बैठक में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर व्यूह रचना पर चर्चा हुई। जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि आने वाले समय में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव होने हैं बीते दिनों पार्टी ने तमाम अभियान चलाकर पार्टी की नीतियों, योजनाओं और कार्यों को जनता के बीच रखा है त्रिस्तरीय चुनाव में अब कुछ ही महीने बचे हैं इसलिए हम सभी को अभी से इसके लिए तैयारी कर लेनी चाहिए परिसीमन का कार्य भी शुरू हो चुका है उन्होंने कहा कि हर बूथ और शक्तिकेंद्रों के कार्यकर्ताओं से अपील है कि वो जनता के बीच सक्रिय रूप से केंद्र और प्रदेश सरकार के कार्यों को मजबूती से रखें, केंद्र और प्रदेश सरकार के सहयोग से जिले में तमाम विकास के कार्य कराए गए हैं और इन्हीं कार्यों के बल पर हम एक बार पुनः जनता के बीच जाएंगे भाजपा की सरकार करने में विश्वास रखती है अन्य दलों की तरह सिर्फ वादा करके मुकरती नहीं है जनता के हित के कार्यों को हम सब मिलकर आगे भी करते रहेंगे। उन्होंने आगे कहा कि अभी मतदाता पुनरीक्षण के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि जो लोग अभी तक मतदाता बनने से वंचित हैं, उन्हें वोटर बनाया जाए प्रवास व संपर्क के माध्यम से कार्यकर्ता स्वयं को सक्रिय करे इसकी चिंता पंचायत चुनाव में हम लोगो को करनी है समृद्ध ग्राम से ही समृद्ध राष्ट्र की परिकल्पना को साकार रूप दिया जा सकता है। ग्राम स्वावलंबन से आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार होगा। उन्होंने जिला पदाधिकारियों मंडल अध्यक्षों व अन्य पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि गांव की सरकार बनाने के लिए सभी जिम्मेदार कमर कसकर तैयारी में जुट जाएं प्रत्येक बूथ पर पुख्ता तैयारी करनी है त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में मिशन मोड में जुटना होगा उन्होंने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर शासन से परिसीमन, मतदाता पुनरीक्षण आदि का काम शुरू होने जा रहा है। इस पर बारीकी से नजर रखते हुए काम करना है।

कार्यक्रम का संचालन सुशील मिश्र ने की। उक्त अवसर पर लोकसभा प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह, जिला महामंत्री गण ,पीयूष गुप्ता ,सुनील तिवारी ,अमित श्रीवास्तव, जिला उपाध्यक्ष संतोष सिंह, संतोष मिश्र एव त्रिस्तीय चुनाव के संयोजक राकेश वर्मा ब्लाक प्रमुख गण अजय सिंह, सुनील यादव मम्मन, सतेंद्र सिंह फंटू, पंकज सिंह ,मंडल अध्यक्ष गण ,मंडल महामंत्री गण ,त्रिस्तीय चुनाव के मंडल के संयोजक एव सह संयोजक उपस्थित रहे।

ज्ञानेश त्रिवेदी को मातृशोक

मुंबई। भारत के प्रामाणिक व प्रसिद्ध राजस्थान त्रिवेदी अत्तरवाले कालबादेवी के ज्ञानेश त्रिवेदी की माता श्रीमती कमला चंद्रधरजी त्रिवेदी (70) का निधन हो गया है। वे अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनका अंतिम संस्कार जगन्नाथ शंकरशेट हिन्दू स्मशान भूमि मरीन लाइन्स में कल 22 अगस्त को किया गया। मानवतावादी ज्ञानेश त्रिवेदी दक्षिण मुंबई सत्संग समिति के उपाध्यक्ष हैं और वासुदेव आश्रम उर्से (तलेगाँव) के सक्रिय कार्यकर्ता भी हैं। अधिक जानकारी के लिए मोबाइल क्रमांक 9821261515 पर ज्ञानेश त्रिवेदी से संपर्क किया जा सकता है।

उनके निधन पर शिवसेना के प्रवक्ता सुशील व्यास, गिरीजा के रवि गुप्ता, आदर्श होटेल्स परिवार के जगदीश पुरोहित, कपड़ा व्यापारी ओमप्रकाश यादव, सुरेश रावल व अनेक लोगों ने दुःख व्यक्त किया।

जहां मौत का फरिश्ता इजाजत ले वो है मोहम्मद का घर 28 सफर पर निकला जुलूस, अंजुमनों ने किया नौहा मातम

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले में हजरत मोहम्मद मुस्तफा स.अ. की वफात व उनके बड़े नवासे इमाम हसन अ.स. की शहादत के मौके पर शहर व ग्रामीण इलाकों में 28 सफर का जुलूस निकाला गया जो अपने कदीम रास्तो से होता हुआ सदर इमामबाड़ा में जा कर समाप्त हुआ शनिवार को अंजुमन जाफरी के नेतृत्व में नगर के मखदूमशाह अढ़न मोहल्ला स्थित इमाम बारगाह हसनैन खां मरहूम से निकाला गया। इस दौरान ताजिया, शबीहे ताबूत व अलम मुबारक के साथ नगर की सभी अंजुमनों ने नौहा-मातम किया। जुलूस अपने कदीमी रास्ते से होता हुआ कोतवाली चौराहे पहुंचा जहां मातमी दस्तों ने जंजीर और कमा का मातम किया। इसके बाद जुलूस बड़ी मस्जिद, पुरानी बाजार होता हुआ बेगमगंज स्थित सदर इमाम बारगाह पहुंचा, जहां शबीहे ताबूत, आलम ठंडा किया गया और ताजिये को सुपुर्दे खाक किया गया इसके पूर्व मजलिस की शुरूआत सोजखानी शबाब हैदर व उनके हमनवां ने किया,पेशखानी एहतेशाम जौनपुरी, मजलिस को डा.सैय्यद कमर अब्बास ने खिताब करते हुए कहाकि इस कायनात के रसूल हजरत मोहम्मद मुस्तफा (स.अ.व)उनके नवासे इमाम हसन व हुसैन ने अपनी पूरी जिंदगी इस्लाम को फैलाने में कुर्बान कर दिया। मोहम्मद का मर्तबा इसी से समझा जा सकता है कि मौत का वह फरिश्ता जो जब चाहे जहां चाहे जाकर इंसान की रुह कब्ज कर ले लेकिन वह बार-बार कुंडी खटखटाता रहा और इजाजत मांगता रहा। जब रसूल ने अपनी बेटी फातेमा स.अ. से कहा कि बेटी यह मौत का फरिश्ता है और मेरा आखिरी वक्त है इसे इजाजत दे दो और फातेमा स.अ. ने इजाजत दिया तब वह दाखिल हुआ लेकिन उसी मोहम्मद के नवासों को दुनिया ने चैन से रहने नहीं दिया। बड़े नवासे इमाम हसन को जब छह बार जहर देकर भी नहीं मारा जा सका तो सातवीं बार ऐसा जहर लाया गया जिसकी एक बूंद दुनिया के सभी समुंदरों के जीवों को मारने के लिए काफी था वह जहर इमाम के पानी में उनकी एक पत्नी द्वारा मिला दिया गया जिसे पीने के बाद उन्हें खून की उल्टियां होने लगी और शहीद हो गये। शहादत के बाद जब जनाजा जन्नतुल बकी में दफ्न के लिए ले जाया गया तो लोगों ने जनाजे पर तीरों की बारिश कर दी। 70 तीर इमाम के जनाने पर लगे। यह दुनिया का पहला ऐसा जनाजा था जो कब्रिस्तान जाने के बाद पुनः घर वापस आया। मजलिस के बाद शबीहे अलम, ताबूत व ताजिया उठाया गया।जिसके हमराह अंजुमन जाफरी ने नौहा और मातम शुरू किया। कोतवाली तिराहे पर पहुंचा जहां जंजीर और कमा का मातम किया गया। यहाँ अंजुमन जुल्फेकारियाँ व कौसरियाँ, हैदरी,,जुलूस को मल्हनी पड़ाव,पुरानी बाजार से होता हुआ सदर इमाम बारगाह बेगमगंज पहुंचा जहां नौहा और मातम के बाद तुर्बत व ताबूत को सुपुर्दे ए खाक किया गया। इस दौरान शहर की सभी अंजुमनें मौजूद थी।जुलूस का संचालन तहसीन शाहिद ने किया।आभार,मुमताज अहमद खाँन,सकलैन अहमद खाँन,हसीन अहमद खान,समर अली,अमीर अली राजा ,शावेज अहमद खां, जीशान अहमद खां ,अफरोज अहमद,शमशाद अहमदनदीम अहमद खां,मुफीद अहमद,मोजम्म अली ने प्रकट किया। वहीं दर सोमवार की देर रात्रि नगर के बारादुअरिया स्थित इमामबाड़ा मीर हैदर मरहूम में 27 सफर का कदीम जुलूस संपंन हुआ। मजलिस को खेताब करते हुए मौलाना सैयद सफदर हुसैन जैदी ने कहा कि आज हम सब रसूले खुदा हजरत मोहम्मद मुस्तफा स.अ. व उनके बड़े नवासे हजरत इमाम हसन की शहादत को मनाने के लिए इकट्ठा हुए हैं। इमाम हसन को जालिमों ने जहर देकर शहीद किया था। मजलिस के बाद जुलूस निकाला गया। तकरीर बेलाल हसनैन ने किया जिसके बाद शबीहे अमारियां बरामद हुई। शहर की सभी प्रमुख अंजुमनों ने नौहा व मातम कर नजराने अकीदत पेश किया। जुलूस अपने कदीम रास्ते से होता हुआ इमामबाड़ा पहुंचा जहां अलविदाई तकरीर मौलाना शेख हसन जाफर ने किया। जिसके बाद शबीहे ताबूत को अलम से मिलाया गया। संयोजक अमीर हैदर अम्मन ने आभार प्रकट किया। सोजखानी शबाब हैदर व उनके हमनवां ने किया। इस मौके पर रियाजुल हसन, शबीहुल हसन, सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

वसई में जलभराव: विधायक स्नेहा दुबे ने लिया जायजा, तत्काल राहत कार्य जारी

वसई। भारी वर्षा के कारण वसई विधानसभा के कई नीचले इलाकों–जैसे कि चुलाना, विशाल नगर, कृष्णा टाउनशिप, सी कॉलोनी, एस कॉलोनी और एवरशाइन वसई पूर्व–में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई, जिससे नागरिकों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इस स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने वसई विरार नगर निगम (श्श्टउ) के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया और राहत कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त दीपक सावंत, वार्ड समिति एच की सहायक आयुक्त संगीता घाडीगांवकर, वसई रोड बोर्ड के अध्यक्ष महेश सरवणकर, तथा मैथ्यू कोलासो, मयंक शेठ, थॉमस डाबरे, अंशुमान ठाकुर, मयूर नाइक, देवदत्त मेहर, राजेश नायर, विलास पवार और पिंटू मिश्रा सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। विधायक स्नेहा दुबे ने नगर निगम प्रशासन को निर्देशित किया कि प्रभावित क्षेत्रों में पंपिंग सिस्टम तुरंत सक्रिय किया जाए, नालियों की सफाई कार्य में तेजी लाई जाए और आवश्यक स्थानों पर ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया जाए। वर्तमान में राहत कार्य जारी हैं और नागरिकों को तात्कालिक सहायता उपलब्ध कराने हेतु सभी प्रणालियाँ कार्यरत हैं।

शाहगंजः खाद संकट पर आम आदमी का विरोध प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

शिवकुमार प्रजापति

शाहगंज जौनपुर(उत्तरशक्ति)। प्रदेश में खाद की किल्लत को लेकर शनिवार को आम आदमी पार्टी (आप) ने प्रदेशव्यापी विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं का कहना है कि खेती के सीजन में किसानों को खाद न मिलना योगी सरकार की बड़ी नाकामी है। शाहगंज में आप जिला अध्यक्ष रामरतन विश्वकर्मा के नेतृत्व में आप कार्यकर्ता जेसीस चौराहे पर एकत्र हुए और नारेबाजी की। बाद में उन्होंने उप जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा। जिला अध्यक्ष रामरतन विश्वकर्मा ने कहा कि किसानों को खाद उपलब्ध न कराना सीधे उनकी आजीविका पर हमला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बड़े उद्योगपतियों के हित साधने में लगी है, जबकि अन्नदाता खाद की कमी से परेशान होकर दर-दर भटक रहे हैं। यह आंदोलन सांसद एवं प्रदेश प्रभारी संजय सिंह के निर्देश पर पूरे प्रदेश के तहसील मुख्यालयों पर आयोजित किया गया। आम आदमी पार्टी की मुख्य मांगों में किसानों को तत्काल पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराई जाए, खाद वितरण में हो रहे भ्रष्टाचार और कालीबाजारी पर सख्त कार्रवाई हो, खाद वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए, खेती के मौसम को ध्यान में रखते हुए प्रभावित किसानों को मुआवजा दिया जाए शामिल है।

प्रेमी के घर के पास कुंए में कूदी प्रेमिका

थानाध्यक्ष दिव्य प्रकाश सिंह ने बताया कि महिला ने पहले मुकदमा कराया दर्ज

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पवांरा थाना क्षेत्र के एक गांव में सुबह एक युवती ने प्रेमी के द्वारा शादी के लिए मना करने पर उसके के घर के पास कुएं में कूद कर जान देने का प्रयास किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवती को कुएं से बाहर निकाला और अस्पताल भर्ती कराया है। शनिवार को वायरल वीडियो में युवती ने आरोप लगाया है कि 17 जुलाई को प्रेमी के खिलाफ पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया था। उसने शादी का झांसा देकर पांच वर्ष तक शारीरिक संबंध बनाया। जब शादी की बात आई तो मना कर दिया। बोला हम तुम अलग अलग जाति के है घर वाले नहीं मानेंगे। महिला के सूचना पर पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। प्रेमी द्वारा शादी के लिए राजी होने पर लड़की ने मेडिकल कराने से इनकार कर दिया था। अपने साथ अब तक इंसाफ न होने पर युवती ने प्रेमी के घर के सामने कुएं में कूदकर जान देने की कोशिश की। पुलिस मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद युवती को कुएं से बाहर निकाल अस्पताल में भर्ती कराया। इस विषय में थानाध्यक्ष दिव्य प्रकाश सिंह ने बताया कि महिला ने पहले मुकदमा दर्ज कराया था लेकिन वह अपने बयान से पलट गई थी जिसके कारण आरोपित पुलिस को छोड़ना पड़ा। लड़की अस्पताल में भर्ती है। अस्पताल से इलाज के बाद पीड़िता लड़की के प्रार्थना पत्र पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मौनिया बाबा राजकीय मेला में कला संस्कृति युवा विभाग ने प्रस्तुत किया सांस्कृतिक कार्यक्रम

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडल मुख्यालय के शहीद स्मारक परिसर में संत शिरोमणि श मौनिया बाबा राजकीय मेला के अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कला एवं संस्कृति विभाग के कलाकारों ने किया। कला संस्कृति एवं युवा विभाग व जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल , पूर्व जदयू विधायक हेम नारायण साह, डीएम डॉ आदित्य प्रकाश, एसपी मनोज कुमार तिवारी, एडीएम प्रमोद राम, डीडीसी मुकेश कुमार, एसडीएम अनिता सिंहा, एसडीपीओ अमन कुमार, नपं मुख्य पार्षद शारदा देवी, उप मुख्य पार्षद गुड़िया कुमारी, भाजपा पूर्वी जिलाध्यक्ष रंजीत प्रसाद, प्रो डॉ अभय कुमार सिंह व पूर्व विधायक दामोदर सिंह की पुत्रवधू गुड़िया कुमारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन के साथ ही मेले की अधिकृत रूप से शुरूआत हो गई। इस दौरान मेला क्षेत्र मौनिया बाबा के जयकारे से गूंज उठा। राजकीय मेला के उद्घाटन के साथ ही सुर व ताल की महफिल सज गई। जिसका आनंद श्रोताओं ने पूरी रात लिया। शुक्रवार की देर संध्या शुरू कार्यक्रम में कलाकारों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुति पर दर्शक पूरी रात झूमते रहे। कलाकारों ने अपनी कला को बेहतरी से पेश किया। कलाकारों ने भक्ति और देश भक्ति गीत, भाव नृत्य व अपनी मखमली आवाज से खूब तालियां बटोरी। कलाकारों ने अपनी कला से दर्शकों मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में पहुंचे अन्य कलाकारों ने अपनी अपनी कला का जलवा विखेरा। एक से बढ़कर एक शानदार व रंगारंग प्रस्तुति से दर्शकों को पूरी रात शमा में बांधे रखा।

दालमंडी सड़क चौड़ीकरण : पहले टैक्स जमा करें, फिर मिलेगा मुआवजा

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के दालमंडी क्षेत्र में प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण परियोजना को लेकर नगर निगम और पीडब्ल्यूडी ने प्रक्रिया तेज कर दी है। इस परियोजना के तहत कुल 186 भवनों को चिह्नित किया गया है, जिनके स्वामियों को 191 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। नगर निगम प्रशासन ने भवन स्वामियों से बकाया टैक्स जमा कराने का बाद ही मुआवजा देने की सिफारिश की है। सड़क चौड़ीकरण के लिए शासन ने 295 करोड़ 88 लाख 44 हजार रुपये की राशि जारी कर दी है।नगर निगम प्रशासन ने पीडब्ल्यूडी को पत्र भेजते हुए 184 ऐसे भवनों की सूची दी है, जिन पर गृहकर और अन्य करों का बकाया है। नगर निगम ने सुझाव दिया है कि टैक्स जमा कराने के बाद ही भवन स्वामियों को मुआवजा का वितरण किया जाए। योजना के अनुसार दालमंडी से गुजरने वाली यह सड़क 650 मीटर लंबी और 40 फीट चौड़ी बनाई जाएगी। सड़क के दोनों तरफ 15-15 फीट चौड़ी पटरी का भी निर्माण होगा। इस परियोजना से क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को बड़ा राहत मिलने की संभावना है। सड़क चौड़ीकरण के लिए चिह्नित दुकानों और मकानों के स्वामियों से संपर्क कर आवश्यक दस्तावेज मांगे गए हैं। मुआवजा वितरण प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर सतर्कता बरती जा रही है।

मानव सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट की तरफ से फ्री मेडिकल चेकअप कैम्प का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। इमाम हसन की शहादत 27 सफर के अवसर पर शाहगंज भादी में हमेशा के दस्तूर के के मुताबिक इस साल भी जुलूस उठाया गया।जिसमें मानव सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट की जानिब से जायरीन के लिए एक फ्री मेडिकल कैम्प लगाया गया। यह संस्था विगत कई वर्षो जाति भावना से ऊपर उठकर समय समय पर मरीजों और जरूरत मंद की यथा सम्भव सेवा करती रही है।फ्री मेडिकल कैम्प में स्थानीय लोगों के अलावा बाहरी आयी हुई अंजुमन के और श्रद्धालू ने फ्री मेडिकल सलाह के अलावा निशुल्क औषधि प्राप्त की,निशुल्क शिविर में शाहगंज के प्रसिद्ध आशीर्वाद हॉस्पिटल के मुख्य चिकित्सक डॉ.सुनील के अलावा डॉ .शहंशाह खान, डॉ .मुफीद अहमद, डॉ.राम दुलार भारतीय पूरे समय उपस्थित रहे। संस्था के अध्यक्ष एवं संस्थापक के हुसैन हैदर उपाध्यक्ष मो. हसीब के साथ, मो. सिबलू मोहम्मद लारेब,हसन मेहंदी आसिफ एम.जे.एच.स्कूल ,मो .हसनैन इदू,निजाम अहमद, नईम अहमद अमित कुमार, धर्मेंद्र कुमार, विवेक कुमार ,सबी हैदर जिला अस्पताल जौनपुर, नंद लाल प्रजापति मोह शाहिद आदि का सहयोग रहा.कार्यक्रम के अंत मे संस्था के संचालक हुसैन हैदर ने जुलूस आयोजक एवं श्रद्धालु का शुक्रिया अदा किया कि संस्था को सेवा करने का मौका दिया गया।

भगवान की भक्ति के लिए घर-बार छोड़ना नहीं जरूरी : पंकज महाराज

जौनपुर(उत्तरशक्ति) ।जयगुरुदेव धर्म प्रचारक संस्था, मथुरा की ओर से चल रही 122 दिवसीय जनजागरण यात्रा शनिवार की सायंकाल अपने इक्कीसवें पड़ाव पर पूर्व माध्यमिक विद्यालय, अगूर्पुर कला पहुँची। राष्ट्रीय अध्यक्ष संत पंकज जी महाराज के सानिध्य में आयोजित सत्संग सभा में भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।सभा को संबोधित करते हुए संत पंकज जी ने कहा कि भगवान की भक्ति के लिए घर-बार छोड़ने की आवश्यकता नहीं है। गृहस्थ आश्रम में रहकर मेहनत और ईमानदारी से जीविका कमाते हुए परिवार का पालन-पोषण करें और थोड़े समय निकालकर प्रभु का स्मरण करें। उन्होंने कहा कि हर इंसान ने जन्म लेने से पहले प्रभु-भजन का वादा किया था, लेकिन बड़े होकर सांसारिक मोह-माया में फंसकर लोग उसे भूल जाते हैं। जब मृत्यु समीप आती है तो ईश्वर का सहारा ढूंढ़ते हैं, ऐसे समय पर केवल समर्थ संत और सतगुरु ही मार्गदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने समाज में फैली बुराइयों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जाति-पांति, धर्म-मजहब के नाम पर लड़ाई-झगड़ों से कुछ हासिल नहीं हुआ। हिंसा, अपराध और अशुद्ध खान-पान को छोड़कर सभी को शुद्ध शाकाहारी जीवन अपनाना चाहिए। उन्होंने युवाओं से शराब और नशे जैसी कुरीतियों से दूर रहने का आह्वान किया। कहा कि शराब हजारों गुनाहों की जननी है और इससे परिवार व समाज दोनों को हानि पहुँचती है। संत पंकज जी ने कहा, गुरु की सत्ता सर्वोपरि है। बिना गुरु के इस भवसागर से पार पाना असंभव है। संत महात्मा सबके कल्याण के लिए अथक परिश्रम करते हैं। यदि उनकी बात मान ली जाए तो जीवन सुधर सकता है। उन्होंने बताया कि मथुरा स्थित जयगुरुदेव आश्रम के बरदानी मंदिर में 28 नवम्बर से 2 दिसम्बर तक वार्षिक भंडारा सत्संग मेला आयोजित होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। इस अवसर पर ऋषिदेव श्रीवास्तव, बालेन्द्र मिश्रा, नरेंद्र बहादुर सिंह प्रबंधक, दल सिंगार, राकेश शर्मा, श्यामबली बिन्द, राम पूजन मिश्रा, कामता प्रसाद प्रजापति, प्रेमचन्द्र अग्रहरि सहित प्रतापगढ़ से सहयोगी संगत सूर्यबली सिंह उपस्थित रहे।

हजारों श्रद्धालुओं ने ताजिया किया दफन, पुलिस ने किया सुरक्षा इंतजाम

-विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के शाहगंज क्षेत्र स्थित बड़ागांव में शनिवार को दोपहर 2 बजे ऐतिहासिक 28 सफर मजलिस का आयोजन हुआ। स्वर्गीय सैयद इम्तियाज हुसैन आब्दी के अजाखाने से मजलिस का आगाज हुआ। इसके बाद सैयद अबूजर आब्दी के नेतृत्व में जुलूस-ए अजा निकाला गया। जुलूस में गांव की सभी अंजुमनों ने विशेष अंदाज में नौहाख्वानी और सीना जनी प्रस्तुत की। जुलूस सकुशल अपने गंतव्य तक पहुंचा। जहां ताजिए को दफनाया गया।कार्यक्रम के दौरान शाहगंज कोतवाली पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था संभाली। उपनिरीक्षक मुन्ना लाल शर्मा, शिवानंद, आरक्षी सूर्यकुमार यादव, सजाउद्दीन और पप्पू समेत अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे। जुलूस में मोहम्मद अजहर, समीम हैदर, हसन मेहंदी, शाहिद इदरीसी, रईस अहमद, जाकिर हुसैन, अमान हैदर, मोहम्मद वारिस, हाशमी समीम हैदर बारादरी, बबलू खान इलेक्ट्रीशियन, आले हसन, दुन्ने, शालू, फैजान सहित हजारों श्रद्धालु शामिल हुए।

विकसित भारत निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका

जौनपुर। एक वर्षीय भाषा शिक्षण कोर्स नई शिक्षा नीति और एफ एल एन के लक्ष्यों को पूर्ण करने में सहायक साबित होगा। विकसित भारत के निर्माण में शिक्षकों की बहुत बड़ी भूमिका है शिक्षकों को अनवरत नया सीखते रहना चाहिए। डायट जौनपुर के सभागार में जनपद के यह कोर्स पूर्ण कर चुके शिक्षकों को सम्मानित करते हुए उप शिक्षा निदेशक प्राचार्य डॉ विनोद कुमार शर्मा ने उक्त बातें कहीं। एनसीईआरटी उत्तर प्रदेश और एल एल एफ के द्वारा अल्युमिनाई मेंटरशिप कार्यक्रम के तहत प्रदेश के 26 शिक्षको ने एल एल एफ मेंटर के रूप में कार्य करते हुए लगभग 325 शिक्षकों को यह कोर्स कराया। जौनपुर में सुशील कुमार उपाध्याय, रागिनी गुप्ता, योगेंद्र सिंह और श्री प्रकाश सिंह ने सफलतापूर्वक मेंटरिंग करते हुए 60 शिक्षकों को विद्यालय अवधि के बाद और छुट्टियों में इस कोर्स को पूरा कराया। कार्यक्रम में विशाल उपाध्याय डी सी प्रशिक्षण, वरुण कुमार यादव प्रवक्ता, आर एन यादव प्रधानाचार्य, सत्येंद्र सिंह राणा, सतीश पाठक, विभा पांडेय, अरुण सिंह, सुषमा सिंह, सुशील यादव, आशीष श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

जीवन रक्षा हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर

डा0 नवीन कुमार सिंह
M.B.B.S., M.S. (Ortho)
हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 शिल्पी सिंह
M.B.B.S., M.S. (Obs & Gyn)
स्त्री रोग विशेषज्ञ

- फ्रैक्चर
- गठिया
- कमर दर्द
- ऑथराइटिस
- कूल्हा, घुटना प्रत्यारोपण
- इत्यादि रोगो का इलाज

- सिजेरियन डिलीवरी
- बच्चेदानी का ऑपरेशन
- ट्यूमर का ऑपरेशन
- दूरबीन विधि द्वारा
- बच्चे की जाँच
- नार्मल डिलीवरी

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना PM-JAY

आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं

इमरजेन्सी सुविधा 24 घण्टे उपलब्ध

नया पता- पुलिस चौकी के सामने, सिपाह, आजमगढ़ रोड, जौनपुर (उ0प्र0) 6390303050

TSMH त्रिभुवन सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल

TRIBHUVANSINGHMEMORIALHOSPITAL

डा0 स्पृहा सिंह
M.B.B.S., MD (Pt. JNM Raipur)
CCEBDM (Diabeties)
जनरल फिजिशियन एवं मधुरोग विशेषज्ञ
पूर्व चिकित्सक आपोलो हॉस्पिटल, हैदराबाद

डा0 जयेश सिंह
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (पीडियाट्रिक्स)
डी.एम. (नियोनेटोलॉजी)
(Fernandez Hospital, Hyderabad)
DASSI (KEM Pune)
ONTOP (AIIMS New Delhi)

पूर्वाचल के प्रथम व एकमात्र सुपर स्पेशलिस्ट नवजात शिशु व बाल रोग विशेषज्ञ

- नवजात शिशु का आई.सी.यू. एवं बच्चों के सभी रोगों का इलाज।
- निमोनिया, जन्म पर गन्दा पानी पीने वाले नवजात अत्याधुनिक आई.सी.यू. की सुविधा।
- समय से पूर्व (सतवासे) में पैदा हुए बच्चों का इलाज एवं बच्चों का समस्त टीकाकरण।
- हमारे यहाँ आयुष्मान कार्ड के द्वारा नवजात शिशु व बच्चों के डायलसिस की सुविधा
- निशुल्क उपलब्ध है। ▪ इत्यादि समस्त रोगो का इलाज की सुविधा।

हृदय रोग एवं डायबिटीज रोग विशेषज्ञ

- वयस्कों में हार्ट, किडनी, शुगर, पेट रोग, लकवा, पैरालाइसिस, निमोनिया,
- लीवर, डेंगू, मलेरिया, टाईफाइड, अस्थमा/दमा, हाईब्लड प्रेशर, मलेरिया,
- डायलसिस, सिजेरियन डिलिवरी, नसों में शून्पन, मस्तिष्क ज्वर, पीलिया,
- हेपेटाईटिस बी., ल्यूकोरिया, खूनी पेचिस, सर दर्द, माइग्रेन, यूरिन इन्फेक्शन
- स्वास व फेफड़ा रोग व अन्य सभी रोगों का इलाज किया जाता है।

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना PM-JAY

आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं

पता- दिवानी कचहरी, अम्बेडकर तिराहा, जौनपुर (उ0प्र0)

05452-356274/ 7992031213, 9026551423

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर

ARUNODAYA Surgical & Trauma Center

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)

वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग

गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा. अरुण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवीं मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)

डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन

डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ

24/7 Emergency Services

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना PM-JAY

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध

Medi Assist STAR

आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं

8090966086,8090015086
कलीचाबाद,जौनपुर

SALVATION HOSPITAL
साल्वेशन हॉस्पिटल

A Unit of Salvation Foundation trust
Kandharpur, Jaunpur
The Culture of Care

डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव
B.A.M.S.
(स्त्री रोग विशेषज्ञ)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय
राज्यकर्मी कैशलेस चिकित्सा योजना
संबद्ध अस्पताल

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना
के अंतर्गत सूचीबद्ध अस्पताल
प्रदेश के लगभग 6 करोड़ लोगों के लिए 5 लाख रुपये तक के इलाज पूरी तरह से निःशुल्क

24/7 Emergency Services
24 घंटे भर्ती की सुविधा

आई.सी.यू. | डायलेसिस | एच.डी.यू.
नेत्र विभाग | अस्थि रोग विभाग
दन्त चिकित्सा | किडनी विभाग
जनरल मेडीसिन | जनरल सर्जरी

डॉ. विवेक श्रीवास्तव
M.D. (Physician, F.G.O.
(APOLO HOSPITAL) P.G.D.S.
Member of Indian Medical
Association UPMCI Rg. No. 95653

नोट- प्रत्येक महीने के दूसरे रविवार को प्रयागराज के गुर्दा रोग विशेषज्ञ डा0 सन्तोष मौर्य (M.D., D.M. Nephro) 12 बजे से 4 बजे तक उपलब्ध रहते हैं।

कंधरपुर, मुरादगंज, जौनपुर (वाराणसी-लखनऊ न्यू हाइवे के बगल में बाईपास से 400 मीटर की दूरी पर 9138828282, 8686867547

Dr
SRS HOSPITAL & TRAUMA CENTRE
एस.आर.एस.
हॉस्पिटल एण्ड ट्रामा सेन्टर
डा. अभय प्रताप सिंह
MBBS (KGMU), DNB(Ortho), MS (Ortho)
UCN, FIJR (Germany), MNAMS
आर्थोस्कोपिक एण्ड ज्वाइंट
रिप्लेसमेन्ट आर्थोपेडिक सर्जन
हड्डी रोग विशेषज्ञ
ओ.पी.डी. प्रतिदिन
डा. आनन्द त्रिपाठी
MBBS, MD, DM (Neuro)
न्यूरो फिजिशियन
ओ.पी.डी. प्रतिदिन
डा. निदा सलाम
CGO
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
ओ.पी.डी. प्रतिदिन
डा. अरविन्द कुमार अग्रहरि
MBBS, MS, MCH (Neuro)
न्यूरो सर्जन
विजिटिंग/ऑन काल
डा. एस.के. मिश्र
MBBS, MS (General Surgeon)
जनरल सर्जरी
विजिटिंग/ऑन काल
डा. चंचला मिश्रा
MBBS, MS (Obs & Gyn.)
स्त्री रोग विशेषज्ञ
विजिटिंग/ऑन काल
डा. राजेश त्रिपाठी
MBBS, MD (Anesthisia)
एनेस्थिसिया रोग विशेषज्ञ
विजिटिंग/ऑन काल
7355 358194 05452- 356555
तेज डायग्नोस्टिक सेन्टर के सामने (पेट्रोल पम्प के बगल में) नईगंज तिराहा, जौनपुर

BAJAJ
ए. एम. बजाज
मो. अशहद
अब्दुल माजिद
मानी कलां, गुरैनी रोड, जौनपुर- 222139
9621032024, 9651316060, 9621139686

AMIR TRAVELS
Hajj & Umrah Services
DOMESTIC & INTERNATIONAL
AIR TICKETS
Visit Visa, Holiday Tour Packages, Waqala Delhi & Mumbai Gamca & Medical Services
Emigration, Visa Stamping, Currency Exchange, Money Transfer
TV
उत्तरशक्ति
NEWS
Withdrawal & Deposit Money From All (atm & Adhar Services)
Passport, Pan Card & Driving License Services
Common Services Center (csc) & Sahaj Jan Seva
Kendra Related Services
7860303530, 9616636079
प्रो0- मो0 आसिफ सिद्दीकी संवाददाता गुरैनी, मानीकलां
सह- संपादक डॉ. इम्तियाज अहमद सिद्दीकी (उर्फ़ बाबू भाई) उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक, जौनपुर-लखनऊ (उत्तर प्रदेश)
निकट- नसीराबाद चौक, पूर्व प्रधान नेयाज़ अहमद कटरा, मानीकलां, जौनपुर (उ0. प्र0)